RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:240 ता. 21 मार्च 2023, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जब मीटिंग में राहुल से भिड़ गए भाजपा सांसद, विदेश मंत्री एस. जयशंकर को देना पड़ा दखल

भाजपा के सांसदों ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि उन्होंने लंदन में भारतीय लोकतंत्र पर सवाल उठाकर देश का अपमान किया है। इसके बाद बहस छिड़ गई। इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से तीखी बहस हुई।

नई दिल्ली। एस. जयशंकर की अध्यक्षता में हुई विदेश मामलों की सलाहकार समिति की बैठक में भाजपा सांसदों और राहुल गांधी के बीच बहस हो गई थी। भाजपा के सांसदों ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि उन्होंने लंदन में भारतीय लोकतंत्र पर सवाल उठाकर देश का अपमान किया है। इसके बाद बहस छिड़ गई। दोनों पक्षों की ओर से तीखी बहस हुई। भाजपा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव ने कहा कि मीटिंग का मुख्य एजेंडा जी-20 में भारत की अध्यक्षता थी, लेकिन इस दौरान भारत की संप्रभुता पर सवाल उठाने का मसला भी छाया रहा। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा सांसद ने इस मीटिंग में गौतम अडानी पर आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट, जॉर्ज सोरोस के

भारतीय लोकतंत्र पर बयान और पीएम नरेंद्र मोदी पर बीबीसी की डॉक्युमेंट्री का मुद्दा उठाया। यही नहीं राहुल गांधी का नाम लिए बिना ही नरसिम्हा राव ने कहा कि कुछ लोग कुछ चीजें बोलते हैं... लेकिन भारतीय लोकतंत्र पर असली धब्बा तो आपातकाल था। इस पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र जितना मजबूत था, उतना ही है। किसी के कुछ कहने या फिर डॉक्युमेंट्री से उसे प्रभावित नहीं होना चाहिए।

इस बीच राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा सांसदों के सवालों का मैं जवाब देना चाहता हूं। वह जवाब देने के लिए व्यग्र नजर आए। हालांकि मीटिंग की अध्यक्षता कर रहे एस. जयशंकर ने कहा कि आप अपने बयान को संसद के लिए रखें। वहीं राहुल गांधी कहते रहे कि मुझे यहां भी बोलने का मौका मिलना चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने मीटिंग के दौरान कहा कि भारतीय लोकतंत्र पर हमला हो रहा है, यह बात सही है। लेकिन मैंने इस मामले में विदेशी हस्तक्षेप की मांग नहीं की है। उन्होंने यह भी कहा कि क्या यह सच नहीं है कि ईडी की ओर से विपक्ष के नेताओं को टारगेट किया जा रहा है।

राहुल गांधी बोले- क्यों मीटिंग में छेड़ दिया दूसरा मुद्दा

इस बहस के बीच भाजपा के नामित सांसद महेश जेठमलानी ने दखल दिया और राहुल गांधी से कहा कि यह मीटिंग तो जी-20 के एजेंडे के लिए है। ऐसे में इसे मुद्दे से भटकाना नहीं चाहिए। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि मैंने नहीं बल्कि भाजपा के सांसदों ने ही दूसरा मुद्दा इस मीटिंग में छेड़ दिया।

एलोपैथी वाले जुगाड़ करते हैं...योग गुरु बाबा रामदेव का फिर तीखा हमला

हरिद्वार। योगगुरु रामदेव ने एक बार फिर एलोपैथी चिकित्सा पद्धति पर जोरदार हमला किया है। कहा कि समय के बदलाव के साथ ही अब लोग आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को पहले से ज्यादा अपना रहे हैं। बाबा रामदेव ने कहा कि एलोपैथी के दिन अब लदने वाले हैं। एलोपैथी वाले जुगाड़ करते हैं। गुलामी की विरासत को मिटाना है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मल्टीनेशनल कंपनियों को शीर्षासन कराया था वैसे ही एलोपैथी को धरती में गाढ़ने का हमने संकल्प लिया है। एलोपैथी वाले जुगाड़ करते हैं। बीमारी का कुछ नहीं होता है। एलोपैथी दवाइयां खाकर लोग अंदर से बीमार बन रहे हैं। एलोपैथी दवाइयों को शरीर गृहण नहीं करता है। ये बातें स्वामी रामदेव ने पहली अंतरराष्ट्रीय पशु चिकित्सा एवं आयुर्वेद संगोष्ठी के दौरान मंच से कही। योगगुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि एलोपैथी के डॉक्टर अभी से हमारे पाले में आ जाएं। उन्होंने कहा कि एलोपैथी दवाइयां बीमारी को जड़ से खत्म नहीं करती हैं। वहीं आयुर्वेदिक दवाइयां मनुष्य और पशु के लिए सौ फीसदी कारगर है। आयुर्वेद में मनुष्य की दवाइयां पशुओं को भी ठीक करती हैं। उन्होंने दावा किया कि आयुर्वेद और गौमूत्र से हमने ब्लड कैंसर, ब्रैस्ट कैंसर और अन्य कैंसर के मरीजों को ठीक किया है। हेपेटाइटिस बी, यूरिन इन्फेक्शन और अन्य बीमारी से ग्रस्त लोगों का आयुर्वेद से उपचार किया है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद जितना उपयोगी है। उतनी उपयोगी गाय है।

भाजपा ही राहुल गांधी को नेता बनाए रखना चाहती है, ममता बनर्जी का कांग्रेस पर सबसे बड़ा हमला

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी के बीच तल्ख रिश्ते अब खुलकर सामने आने लगे हैं। खबर है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अब वायनाड सांसद राहुल गांधी पर हमला बोला है। उन्होंने दावा किया है कि राहुल ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी 'TRP' हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राहुल को हीरो बनाना चाहती है। खास बात है कि लंदन में भाषण, अडानी-हिंडनबर्ग समेत कई मुद्दों पर बजट सत्र के दौरान संसद में हंगामा जारी है। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि टीएमसी की आंतरिक बैठक में सीएम बनर्जी ने राहुल पर कई तीखी टिप्पणियां की हैं। उन्होंने कहा है कि अगर राहुल विपक्ष का चेहरा होते हैं, तो कोई भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना नहीं बना सकेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा राहुल को ही नेता बनाए रखना चाहती है। उन्होंने कहा, नहीं तो क्या आपने कभी देखा है कि किसी ने विदेश में कुछ बोला और यहां उसपर इतना हंगामा हुआ हो? हम चाहते हैं कि संसद खुली रहे और अडानी मुद्दे और LIC मुद्दे पर बातचीत हो। लेकिन क्यों अडानी मुद्दे पर बात नहीं हो रही है? क्यों LIC पर बात नहीं हो रही है? क्यों गैस की कीमतों पर चर्चा नहीं हो रही है? इसके बीच यूनिफॉर्म सिविल कोड की कॉपी पेश की गई। हम समान नागरिक संहिता को स्वीकार नहीं करते और उसे लागू नहीं करने देंगे।

खास बात है कि इससे पहले टीएमसी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय भी कहा चुके हैं कि राहुल के विपक्ष का चेहरा होने से भाजपा को फायदा होगा। हाल ही में टीएमसी ने सागरदिघी उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों के हाथों हार झेली थी। इसके अलावा यह भी कहा जा रहा है कि कांग्रेस भी बंगाल और पूर्वोत्तर में वोट कटने के चलते टीएमसी से नाराज है।

दोनों के बीच बातचीत की अटकलें

कहा जा रहा था कि टीएमसी और कांग्रेस के बीच बैक चैनल के जरिए बातचीत जारी है। अटकलें थी कि 2024 लोकसभा चुनाव के लिए दोनों दल बड़ा सियासी दांव चल सकते हैं। हालांकि, एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी ने किसी बैक चैनल बातचीत से इनकार किया है। खुद सीएम बनर्जी भी 2024 का चुनाव अकेले लड़ने की बात कह चुकी हैं।

संकट के बीच केजरीवाल सरकार का बजट, क्या-क्या मिल सकता है दिल्ली को तोहफा

नई दिल्ली। शराब घोटाले में पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के दूसरे सबसे बड़े नेता मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी की वजह से चौतरफा संकट का सामना कर रही अरविंद केजरीवाल सरकार मंगलवार को बजट पेश करने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार एक बार फिर शिक्षा और स्वास्थ्य के अपने फ्लैगशिप प्रोग्राम पर फोकस कर सकती है। स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस, टीचर्स को टैबलेट, मोहल्ला क्लीनिक में मुफ्त जांचों में विस्तार और अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या बढ़ाने जैसे ऐलान की संभावना है। हाल ही में वित्त मंत्री बने कैलाश गहलोत पहली बार बजट पेश करने जा रहे

हैं। सूत्रों का कहना है कि समयसीमा पार कर चुके निर्माणाधीन अस्पतालों के लिए अतिरिक्त फंड दिया जा सकता है। आप ने दिल्ली में अपनी जड़े जमाने और राजधानी के बाहर विस्तार के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य को बड़ा मुद्दा बनाया है। केजरीवाल सरकार एक बार फिर बजट को इनपर केंद्रित रख सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सरकार डॉक्टर अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस की संख्या बढ़ाने को उत्सुक है। कम से कम 10 हजार विद्यार्थियों की क्षमता बनाने का प्लान है। मौजूदा समय में ऐसे स्कूलों की संख्या 32 है और सरकार इनकी संख्या 100 तक ले जाना चाहती है। एमसीडी पर आप का कब्जा होने के बाद नगर निगम के स्कूलों को लेकर भी कुछ महत्वपूर्ण ऐलान हो सकते हैं। इसके अलावा हेल्थ को लेकर कई अहम प्लान तैयार किए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, मोहल्ला क्लीनिक में मुफ्त जांचों की संख्या 250 से बढ़ाकर 450 की जा सकती है। एक अधिकारी ने बताया, अस्पतालों, डिस्पेंसरी और पॉलीक्लीनिक्स में पहले से कई जांच मुफ्त हैं। विस्तार होनेसे मरीजों को राहत मिलेगी। ऐसी जांचों को भी दायरे में लाया जा रहा है जो अमूमन महंगे होते हैं। मौजूदा समय में आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक में 212 प्रकार के टेस्ट मुफ्त होते हैं। कुछ अस्पतालों में 250 प्रकार के टेस्ट होते हैं। सुपरस्पेशिएलिटी में करीब 400 टेस्ट किए जाते हैं।

मध्यप्रदेश में अनेक स्थानों पर बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को क्षति

भोपाल। मध्यप्रदेश में पिछले कुछ दिनों में अनेक स्थानों पर बारिश और ओलावृष्टि के कारण फसलों को क्षति पहुंचने की खबरों के बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज यहां उच्च स्तरीय बैठक में नुकसान और इससे उपजी स्थितियों की समीक्षा करेंगे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार श्री चौहान दिन में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में प्राकृतिक आपदा और फसलों को हुए नुकसान के संबंध में जानकारी हासिल कर आवश्यक दिशानिर्देश देंगे। इस अवसर पर मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस के अलावा

कृषि, राजस्व और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

भोपाल समेत अनेक जिलों में पिछले कुछ दिनों से बारिश और ओलावृष्टि के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है। प्रशासनिक स्तर पर फसलों को हुए नुकसान का आकलन भी प्रारंभ कर दिया गया है।

दिल्ली-एनसीआर में ऑरेंज अलर्ट, यूपी-उत्तराखंड में ओलावृष्टि की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर प्रदेश के कई जिलों में रविवार को भी वर्षा हुई। दिल्ली के आया नगर और पालम में तेज वर्षा हुई और ओले भी पड़े। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिन वर्षा होने की संभावना है। सोमवार के लिए दिल्ली के मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

यूपी में ओले गिरने की जताई संभावना

वहीं, यूपी में भी 21 मार्च तक बादलों की आवाजाही के साथ उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर ओले गिरने की भी आशंका है। इससे खड़ी फसलों पर असर पड़ेगा। मौसम के रुख से गेहूं, सरसों, चना, आलू, मटर और मसूर व सब्जियों की फसल को

नुकसान पहुंचा है। इससे पहले बिहार में भी शनिवार रात रात हवा के साथ वर्षा हुई। एक-दो जिलों में हल्की ओलावृष्टि भी हुई है।

किसानों पर पड़ी बारिश की मार

दो दिन पहले ओलावृष्टि से फसलों की क्षति झेल चुके किसानों पर अब असमय वर्षा की मार पड़ी है। मथुरा में शनिवार रात और रविवार सुबह कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ वर्षा और ओलावृष्टि हुई। खेतों में गेहूं की फसल गिर गई। सब्जियों को नुकसान हुआ है। किसानों की चिंता बढ़ गयी है। अलीगढ़ में शनिवार रात जिलेभर में बरसात हुई। इससे खेतों में पानी भर गया। रविवार सुबह भी जिले में बूंदाबांदी हुई। कानपुर और आसपास के जिलों में बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान की खबर है।

वज्रपात की घटनाओं में तीन लोगों की हुई मौत

उत्तर प्रदेश में तीन दिन से बदले मौसम मिजाज के बीच कहीं बूंदाबांदी तो कहीं तेज बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात का दौर अभी थमा नहीं है। शनिवार को जहां 10 लोगों की जान गई थी, वहीं रविवार को बुंदेलखंड में बारिश और ओलावृष्टि के बीच वज्रपात की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई।

उत्तराखंड में आज वर्षा-ओलावृष्टि की चेतावनी

उत्तराखंड में मौसम के बदले मिजाज के बीच वर्षा का क्रम जारी है। बीते शुक्रवार को शुरू हुई वर्षा रविवार तक भी रुक-रुककर होती रही। हालांकि, दोपहर बाद आसमान से बादल छंटने लगे। कहीं-कहीं हल्की धूप खिलने से तापमान में कुछ इजाफा हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिन प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला रह सकता है। सोमवार को ज्यादातर क्षेत्रों में वर्षा-बर्फबारी और गरज के साथ ओलावृष्टि को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए फैलाए जा रहे भारत विरोधी बयानः उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

नई दिल्ली। भारत पर ब्रिटेन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया टिप्पणी से राजनीति गरमाई हुई है। इसी कड़ी में अब उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने इनक्यूबेटर और वितरकों पर अपनी चिंता जाहिर की। उनका मानना है कि देश के कार्यात्मक लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थानों को कमजोर करने के लिए भारत विरोधी बयान फैलाए जा रहे हैं।

क्या बोले जगदीप धनखड़?

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इनक्यूबेटर और वितरकों पर चिंता जाहिर करते हुए रविवार को कहा कि भारत पहले की तुलना में वृद्धि पर है। राष्ट्र की वैश्विक प्रासंगिकता और मान्यता एक ऐसे स्तर पर है जो पहले कभी नहीं थी।

हम सभी को भारत विरोधी ताकतों के इनक्यूबेटरों और वितरकों के उद्भव के बारे में जागरूक होने की आवश्यकता है, जो हमारे विकास पथ को कम करने और हमारे कार्यात्मक लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थानों को कलंकित करने के लिए 'नुकसानदेह आख्यान' चला रहे हैं। यह जरूरी है कि हम सभी अपने राष्ट्र और राष्ट्रवाद में भरोसा करें

और इस तरह के दुस्साहस से ठीक से निपटें।

भारत सबसे जीवंत लोकतंत्र

उपराष्ट्रपति ने गवर्नरपेट टू गवर्नर हाउस- ए हिक्स ओडिसी नामक पुस्तक का विमोचन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कहीं। इस दौरान पूर्ववर्ती नायडू भी मौजूद रहे और दोनों ने तमिलनाडु के पूर्व राज्यपाल पी एस राममोहन राव के संस्मरण के विमोचन के दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र का सार यह है कि सभी समान रूप से कानून के प्रति जवाबदेह हैं। यह सुझाव देते हुए कि भारत सबसे जीवंत लोकतंत्र है, उन्होंने कहा कानून के समक्ष समानता एक ऐसी चीज है जिस पर हम बातचीत नहीं कर सकते%।

उपराष्ट्रपति ने संसद सुचारू रूप से चलाने का किया आह्वान

हाल के गतिरोध के बीच संसद के सुचारू कामकाज की मांग करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र में, शासन की गतिशीलता हमेशा चुनौतीपूर्ण होती है, जिसके लिए संवैधानिक संस्थाओं के सामंजस्यपूर्ण कामकाज की आवश्यकता होती है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में हमेशा मुद्दे रहेंगे और हमारे पास कभी ऐसा दिन नहीं होगा जब हम कह सकें कि कोई समस्या नहीं होगी, क्योंकि हम एक गतिशील समाज में हैं जहां ऐसा होना तय है।

जो लोग कार्यपालिका, विधायिका या न्यायपालिका का नेतृत्व कर रहे हैं, वे आत्मसंतुष्ट नहीं हो सकते, वे टकराव में कार्य नहीं कर सकते। उन्हें सहयोग से कार्य करना होगा और एक साथ संकल्प लेना होगा। उन्होंने दोहराया कि %यह हमारे संविधान की प्रधानता है जो लोकतांत्रिक शासन की स्थिरता, सद्भाव और उत्पादकता को निर्धारित करती है। उन्होंने कहा, संसद, लोगों के जनादेश को दर्शाती है।

ओटीटी मंच अश्लीलता और अभद्र भाषा को लेकर शिकायतें बढ़ी, सरकार इस लेकर गंभीर : ठाकुर

नई दिल्ली । ओटीटी मंच (डिजिटल माध्यम) पर बढ़ती अश्लीलता और अभद्र भाषा के इस्तेमाल के बारे में पूछने पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस तरह की शिकायतें हाल के दिनों में काफी बढ़ी हैं। उन्होंने कहा, वर्तमान प्रक्रिया के अनुसार, निर्माताओं को पहले सामग्री के बारे में शिकायतों का समाधान करना होता है और फिर शिकायतें अपने संघ के पास जाती हैं। सरकार (सूचना एवं प्रसारण विभाग) तक शिकायत पहुंचने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाती है। कुमार ने कहा कि (ओटीटी मंचों पर अश्लीलता) शिकायतें बढ़ी हैं और विभाग उन्हें गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने कहा, अगर हमें कोई बदलाव करना है, तब हम उस पर गंभीरता से विचार करने वाले हैं। रचनात्मकता के लिए स्वतंत्रता दी गई थी न कि अश्लीलता या अभद्र भाषा के लिए। रचनात्मकता के नाम पर अपशब्दों और गलत चीजों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उनसे पूछा गया कि अगर एशिया कप पाकिस्तान में होता है तब क्या भारतीय क्रिकेट टीम पड़ोसी मुल्क जाएगी, तब केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा, पहले बीसीसीआई को फैसला करने दें। जब समय आएगा, भारत सरकार निर्णय लेगी।

ईडी ने महाराष्ट्र में नौ जगहों पर की छापेमारी

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि उसने औरंगाबाद में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) योजना के टेंडर आवंटन में अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में महाराष्ट्र में औरंगाबाद, पुणे और अकोला सहित नौ स्थानों पर छापेमारी की। ईडी ने औरंगाबाद नगर निगम में समरथ कंस्ट्रक्शन एंड जेवी, एनडीओ ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज, जगुआर ग्लोबल सर्विसेज और उनके संबंधित भागीदारों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की। पीएमएवाई योजना औरंगाबाद में सात भूखंडों पर लागू की जानी थी और यह पाया गया कि सभी तीन ई-निविदाएं एक ही आईपी पते से अपलोड की गई थीं। पीएमएवाई नियामकों द्वारा विसंगति की पहचान करने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी कि बिड हासिल करने वाली फर्म इतनी बड़ी परियोजना को लागू करने में वित्तीय रूप से सक्षम नहीं है। ईडी की जांच में यह भी पता चला है कि तीन जेवी फर्मों ने एक ही आईपी पते से ई-टेंडर के लिए आवेदन किया था। समरथ कंस्ट्रक्शन एंड जेवी को टेंडर आवंटित किया गया था, लेकिन बैंक गारंटी 46.24 करोड़ रुपये में से मात्र 88.60 लाख रुपये की बीजी जमा की गई थी। इसके अलावा, समरथ कंस्ट्रक्शन एंड जेवी ने नई निविदा प्रक्रिया के बिना 19.22 हेक्टेयर से 120 हेक्टेयर के लिए प्रारंभिक निविदा का विस्तार करवाकर नियत प्रक्रिया को उलट दिया। ईडी ने कहा, इस घोटाले में शामिल सरकारी सब्सिडी की राशि लगभग एक हजार करोड़ रुपये है।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश-असम में दर्ज सभी मामले लखनऊ ट्रांसफर

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को बड़ी रहात मिली है। यह राहत उन्हें सुप्रीम कोर्ट से मिली है। प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा के खिलाफ उत्तर प्रदेश, असम में दर्ज तीन प्राथमिकियों को लखनऊ स्थानांतरित किया है। इसके अलावा कोर्ट ने पवन खेड़ा को पहले प्रदान की गई अंतरिम जमानत को 10 अप्रैल तक बढ़ा दी है। अपनी टिप्पणी में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कहा कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को नियमित जमानत लेने के लिए लखनऊ की अदालत में पेश होना होगा। मामले की सुनवाई प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने की है। पवन खेड़ा के खिलाफ वाराणसी के छावनी थाने और लखनऊ के हजरतगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थीं जबकि तीसरी प्राथमिकी असम में दर्ज की गई थी। शीर्ष अदालत ने पूर्व में भी खेड़ा की अंतरिम जमानत बढ़ा दी थी। आपको बता दें कि कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा को 17 फरवरी को मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई उनकी कथित टिप्पणी के संबंध में असम पुलिस ने 23 फरवरी को गिरफ्तार किया था। इसके बाद बवाल बढ़ गया था। कांग्रेस नेताओं ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए थे।

कच्छ जिले में 3.2 तीव्रता का भूकंप, जानमाल का नुकसान नहीं

अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ जिले में सोमवार सुबह 3.2 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने यह जानकारी दी। जिले के अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। आईएसआर के अनुसार, भूकंप सुबह सात बजकर 35 मिनट पर आया, जिसका केंद्र कच्छ जिले के भचाऊ शहर से करीब 10 किलोमीटर उत्तर-पूर्वोत्तर (एनएनई) में था। कच्छ जिले में भूकंप का खतरा ''अधिक'' बना रहता है और नियमित रूप से यहां हल्के झटके महसूस किए जाते हैं। गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जीएसडीएमए) के अनुसार, राज्य अकसर भूकंप की मार झेलता रहा है और 1819, 1845, 1847, 1848, 1864, 1903, 1938, 1956 तथा 2001 में यहां भीषण भूकंप महसूस किए गए थे। वर्ष 2001 में कच्छ में आया भूकंप, भारत में पिछली दो शताब्दियों का दूसरा सबसे विनाशकारी भूकंप था। इसमें 13,800 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और अन्य 1.67 लाख लोग घायल हुए थे।

पटना जंक्शन में लगे टीवी स्क्रीन पर विज्ञापन की जगह चलने लगी पॉर्न फिल्म!

- जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा तो एजेंसी पर एफआईआर हुई दर्ज

पटना । बिहार के पटना जंक्शन के फॉर्म नंबर 10 पर लगे टीवी स्क्रीन पर अचानक पॉर्न फिल्म चल गई। ये पूरा घटनाक्रम उस समय हुआ जब बड़ी संख्या में यात्री यहां ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक, रेलवे की तरफ से प्लेटफार्म पर लगाए गए टीवी सेट पर ये पोर्न फिल्म करीब 3 मिनट तक चली थी। वहीं जैसे ही रेलवे स्टेशन के स्टाफ को इसका पता चला तो तुरंत ही इस वीडियो को रूकवाया गया। साथ ही संबंधित अधिकारियों ने जांच शुरू की। यही नहीं पूरे मामले को लेकर एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। बताया जा रहा कि पटना जंक्शन के जिस टीवी सेट पर ये अश्लील वीडियो टेलीकास्ट हुआ, उस पर ?विज्ञापन से जुड़ा कोई वीडियो चलाया जाना था। दत्ता कम्युनिकेशन एजेंसी को इस टीवी स्क्रीन पर सूचना देने और वीडियो दिखाने की जिम्मेवारी थी। शुरुआती जांच में पता चला है कि इसी कंपनी को ये वीडियो प्ले करना था। हालांकि, उसके कर्मी पोर्न क्लिप देख रहे थे। जल्दबाजी में उनसे वही अश्लील क्लिप इस टीवी स्क्रीन पर प्ले हो गया। पटना जंक्शन के टीवी सेट पर जैसे ही ये वीडियो चला यहां बैठे पैसेंजर्स चौंक गए। उन्हें समझ नहीं आया कि क्या करें?

इधर, पटना जंक्शन के संबंधित अधिकारियों को जैसे ही इस बात की जानकारी मिली तो उन्होंने आरपीएफ और जीआरपी के जरिए तुरंत ही इस वीडियो को रुकवाया। तत्काल संबंधित एजेंसी को फोन कर इस संबंध में जानकारी ली गई। फिर आरपीएफ ने ही दानापुर रेल डिवीजन के अफसरों को इस मामले की सूचना दी। साथ ही संबंधित एजेंसी दत्ता कम्युनिकेशन के खिलाफ एक्शन का फैसला लिया गया। इसके ऑपरेटर और संबंधित स्टाफ के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। जानकारी के मुताबिक, अश्लील क्लिप सिर्फ प्लेटफॉर्म 10 के टीवी सेट पर ही चलीथी। हालांकि, ये लापरवाही का मामला है। एजेंसी दत्ता कम्युनिकेशन के स्टाफ से पूछताछ की जा रही है कि आखिर ये वीडियो प्ले कैसे हुआ?

कर्नाटक में कांग्रेस ने भी दिखानी शुरू की अपनी ताकत, मैदान में उतरे राहुल गांधी, भाजपा पर बरसे

बेलगावी (एजेंसी)। कर्नाटक में मई महीने में होने वाले विधानसबा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों में अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा पहले ही अपनी ताकत लगानी शुरू कर दी है। अब कांग्रेस भी वहां मजबूती से चुनाव लड़ने की तैयारी में है। राज्य में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही माना जा रहा है। कांग्रेस के लिए आज पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी खुद मैदान में उतरे। उन्होंने बेलगावी में एक जनसबा को संबोधित भी किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद रहे। खड़गे और राहुल गांधी ने बेलगावी में युवा क्रांति समागम का शुभारंभ किया।

इस दौरान राहुल गांदी ने बेरोज़गारी को लेकर भाजपी नीत केंद्र सरकार को घेरा। राहुल ने कहा कि केंद्र सरकार बेरोज़गारी कम करने के लिए कुछ नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ग्रेजुएट्स बेरोजगारों को 2 साल तक हर महीने 3,000 रुपए देगी और डिप्लोमा होल्डर्स को 2 साल तक हर महीने 1,500 रुपए देगी। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान, यहां के युवाओं ने कहा कि उन्हें यहां कोई नौकरी नहीं मिल रही है और लोगों ने शिकायत की कि यह सरकार भारत की सबसे भ्रष्ट सरकार है, यह 40त्न कमीशन वाली सरकार है। आपको बता दें कि चुनावी मौसम को देखते हुए कर्नाटक कांग्रेस ने राज्य के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता प्रदान करने के लिए चौथी गारंटी - 'युवा निधि' की घोषणा की है।

राहुल ने कहा कि 3,000/माह सभी बेरोजगार स्नातकों को 2 साल के लिए दिए जाएंगे। 1,500/माह सभी डिप्लोमा धारकों के लिए 2 साल के लिए होंगे। कांग्रेस की सरकार बनने पर 10 लाख युवाओं को रोजगार देंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि डेढ़ साल के भीतर 2.5 लाख खाली सरकारी पदों को भरना हमारा मुख्य काम रहेगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कर्नाटक की भाजपा सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है। इस सरकार में कुछ भी करवाना हो तो '40प्र. कमीशन' देना पड़ता है। इस दौरान खड़गे ने कहा कि हम एक ऐसे भारत का निर्माण करेंगे, जहां गरीबों की आवाज़ का महत्व होगा। जहां ऊंच-नीच का भेदभाव नहीं होगा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि ब्रिटेन में खालिस्तान क्यों नहीं बना लेते हैं?

नई दिल्ली। खालिस्तानी तत्वों ने लंदन में भारतीय उच्चायोग से भारतीय झंडे को उतारने की कोशिश की, लेकिन वहां मौजूद भारतीय सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें झंडा उतारने से रोक दिया। खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों द्वारा लंदन में भारतीय उच्चायोग में तोड़फोड़ किए जाने और परिसर में तिरंगे को गिरने के बाद भारत ने ब्रिटिश उप उच्चायुक्त क्रिस्टीना स्कॉट को विदेश मंत्रालय (एमईए) में बुलाकर ब्रिटेन के अधिकारियों के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया। लंदन की घटना पर खालिस्तानी समर्थक ब्रिटिश सिख लेबर सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी ने कहा कि भारत से चिंताजनक खबरें आ रही हैं। पंजाब में बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां हो रही हैं और इंटरनेट ब्लैक आउट कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने सभी के मानवाधिकार के सम्मान किए जाने की भी बात कही। इस लेकर कांग्रेस की तरफ से जवाब दिया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि ब्रिटेन में खालिस्तान क्यों नहीं बना लेते हैं? आप अपने देश में खालिस्तानी भावनाओं का पोषण कर रहे हैं। फिर भी, यह आपको स्लो निर्वाचन क्षेत्र की सीट से नए वोट नहीं दिलाएगा, जिसमें पाकिस्तान समर्थक आबादी का एक बड़ा हिस्सा है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि यह घटना चौंकाने वाली है। समस्या उच्चायोग के अंदर नहीं बल्कि बाहर के परिसर में है, जहां की सुरक्षा की जिम्मेदारी स्थानीय अधिकारियों की है। अगर वहां की पुलिस अपने काम में लापरवाह है और ऐसी घटना होने देती है, तब यह एक अपमान है जिसे हम बर्दाश्त नहीं कर सकते।

2 से 3 वर्षों में विदेशी यूनिवर्सिटी भारत में दिखाई देंगी

-यूनिवर्सिटीज को फीस स्ट्रक्चर तय करने की छूट होगी

नई दिल्ली । देश में विदेशी यूनिवर्सिटी कैंपस खुलने के यूजीसी के ऐलान के बाद से ही स्टूडेंट्स के मन में इस लेकर काफी सवाल हैं। देश में विदेशी यूनिवर्सिटी के कैंपस कब तक खुलेंगे, इसमें एडमिशन का प्रोसेस क्या होगा, फीस कितनी होगी, डिग्री कहां से मिलेगी? इसतरह के कई सवाल स्टूडेंट्स के मन में हैं, जिनके जवाब दिए यूजीसी चेयरमैन प्रो. एम जगदीश कुमार ने दिए। प्रो. कुमार ने कहा, हम मई 2022 में ट्विनिंग ज्वाइंट डुअल डिग्री का प्रोविजन लाए जिससे स्टूडेंट्स एक या दो सेमेस्टर की पढ़ाई विदेशी यूनिवर्सिटी से करके उसका क्रेडिट लेकर वापस आ सकते हैं। इसकी घोषणा के बाद ही 50 से ज्यादा भारतीय यूनिवर्सिटीज़ ने विदेशी यूनिवर्सिटीज के साथ कोलैबोरेशन करने के लिए आवेदन किया है। इसके अलावा विदेशी यूनिवर्सिटी के कैंपस भारत में होने से यहां के स्टूडेंट्स को बहुत फायदा होगा। ये कैंपस ऑटोनॉमस होगा, जिसमें मुख्य कैंपस जैसी ही एजुकेशन की क्वालिटी होगी और उन्हें डिग्री भी फॉरेन यूनिवर्सिटी की ही होगी। फीस रेगुलेशन के सवाल पर कुमार ने कहा, हम फॉरेन यूनिवर्सिटीज को एडमिशन प्रोसेस, फैकल्टी रिक्रूटमेंट या ट्यूशन फीस स्ट्रक्चर की पूरी छूट देने वाले हैं, मगर साथ ही नीड बेस्ड पार्शियल और फुल स्कॉलरशिप का भी प्रावधान होगा। जिसमें गरीब छात्रों को पढ़ाई का मौका मिलेगा।

नीतीश की ओर इशारा करते हुए तेजस्वी बोले, न तो ये प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं और न मैं मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 को लेकर राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है। विपक्ष के अलग-अलग नेताओं का प्रधानमंत्री पद की रेस में नाम आ रहा है। जब से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा से अलग हुए हैं, तब से उनका भी नाम इस रेस में आ रहा था। नीतीश कुमार ने विपक्षी एकता की भी कोशिश की थी। उन्होंने विपक्ष के कई नेताओं से मुलाकात भी किया था। हालांकि, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि न तो नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं और न ही मैं मुख्यमंत्री बनना चाहता हूं। हम जहां हैं, वहीं खुश हैं। दरअसल, बिहार के मुख्यमंत्री को लेकर तेजस्वी का नाम चर्चा में रहता है।

विधानसभा में बोलते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ काम करके बहुत खुश है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विरोध करने वाले नेताओं को भ्रष्टाचार के नाम पर भाजपा निशाना बना रही है। गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि विपक्ष हमारे बीच दूरी की कल्पना कर सकता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा सपना देखते रहे कि महागठबंधन टूट जाएगा। पर ऐसा होने वाला नहीं है। राजद नेता ने सड़क निर्माण विभाग के लिए बजटीय आवंटन पर बहस का जवाब देते हुए विधानसभा में यह बयान दिया। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं को लेकर नितिन गडकरी से मिलता रहता हूं। बातचीत भी होती रहती है।

खुद पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपो पर नेजस्वी ने कहा कि वक्त से पहले हादसों से लड़ा हूँ। मैं अपनी उम्र से कई साल बड़ा हूँ। मैं बीजेपी के छ्व्रद्ब/श्वष्ठ से डरने वाला नहीं हूँ। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जांच एजेंसियों का उपयोग कर केंद्र सरकार विरोधियों को डरा रही है। उन्होंने दावा किया कि यह 2024 में हार का डर है। उन्होंने कहा कि लालू यादव नहीं डरे। मैं उनका बेटा हूं, मैं भी नहीं डरूंगा। जनता हमारे साथ है।

पंजाब के ताजा हालातों के लिए केंद्र और आप सरकार जिम्मेदार : हरसिमरत कौर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिख अलगाववादी और कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह के मामले पर केंद्र और पंजाब दोनों सरकारों पर हमला बोलकर अकाली दल सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने आरोप लगाया है कि अमृतपाल सिंह को लेकर बवाल तब सिर्फ इन सरकारों ने मचाया हुआ है, पंजाब में सबको पता है, क्योंकि वीडियो वायरल है। हरसिमरत कौर ने आरोप लगाया कि सियासी फायदे के लिए केंद्र की भाजपा और राज्य की आम आदमी पार्टी की सरकार, पंजाबियों को बदनाम कर रही है। सियासत का खेल खेल रही है। उन्होंने सवाल पूछा कि आज अमृतपाल सिंह के संबंधों को लेकर सवाल उठाने वालों को यह बताना चाहिए कि जब ये 6 महीने से घूम रहे हैं, तब क्या उस समय केंद्र की इंटेलिजेंस एजेंसी सोई हुई थी, राज्य सरकार ने एक महीने पहले ही इनके खिलाफ एक्शन क्यों नहीं लिया?

अकाली सांसद ने आरोप लगाया कि पंजाब का माहौल खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो दोषी है उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए लेकिन अमृतपाल सिंह के नाम पर जो लोग उठाए जा रहे हैं, उनकी क्या गलती है? अमृतपाल सिंह को सुबह ही उसके घर से उठाया जा सकता था।

अरविंद केजरीवाल की आलोचना कर बादल ने कहा कि उन्होंने पंजाब की जनता से एक मौका मांगा था लेकिन आज वहां पंजाब के हालात पर चुप क्यों हैं? उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने पंजाब को एक अक्षम मुख्यमंत्री देने का काम किया है, डीजीपी भी अस्थायी है और राज्य में कानून व्यवस्था की हालत लगातार खराब हो रही है। बीएसएफ की निगरानी के बावजूद बाहर से राज्य में हथियार और ड्रग्स दोनों आ रहे हैं।

ओवैसी ने तीन तलाक का उदाहरण देते हुए नीतीश पर कटाक्ष किया

मुंबइ (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पिछले साल भाजपा से अलग होने और आधा दशक पहले राजद से नाता तोड़ने के लिए तीन तलाक का उदाहरण देते हुए उन पर रविवार को कटाक्ष किया। हैदराबाद के सांसद ने बिहार के सीमांचल क्षेत्र के अपने दौरे के अंतिम दिन किशनगंज जिले की रायपुर पंचायत में एक जनसभा को संबोधित किया। ओवैसी ने कटाक्ष करते हुए कहा, ''नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ''तलाक! तलाक! तलाक!'' कहा और तेजस्वी यादव (उपमुख्यमंत्री और राजद नेता) के साथ ''निकाह'' किया।'' उन्होंने कहा, ''इससे पहले नीतीश ने कहा था कि मिट्टी में मिल जाएंगे लेकिन भाजपा के साथ फिर से नहीं जाएंगे, पर अपनी बात पर कायम नहीं रहे, उनको मिट्टी पसंद नहीं आयी और तेजस्वी यादव को उन्होंने ''तलाक! तलाक! तलाक!'' कह उनसे नाता तोड लिया।'' एआईएमआईएम प्रमुख की पार्टी ने 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र में पांच सीटें जीती थी।

राहुल गांधी अगर विपक्ष का चेहरा बने, तब भाजपा को फायदा होगा : ममता

-राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल खड़े कर दिए

कोलकाता (एजेंसी)। (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ममता ने कहा कि राहुल गांधी अगर विपक्ष का चेहरा होते हैं, तब इससे भाजपा को फायदा होगा। दरअसल, ममता अपने नेताओं के साथ बैठक कर रही थीं। बैठक में ममता ने राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल खड़े किए हैं। इससे पहले टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि टीएमसी अपने दम पर चुनाव में जाएगी। उन्होंने कहा था कि बंगाल में भाजपा, कांग्रेस और सीपीआई सभी साथ हैं और टीएमसी को हराने के लिए एक हुए हैं।

बता दें कि ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पश्चिम बंगाल सहित पूरे देश में अपने दम पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। कांग्रेस द्वारा आयोजित किसी कार्यक्रम में टीएमसी के नेताओं ने हिस्सा नहीं लिया। कांग्रेस समेत कई अन्य विपक्षी दलों द्वारा ईडी ऑफिस का घेराव किया लेकिन टीएमसी ने इसमें हिस्सा नहीं लिया। इससे पहले दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया पर ईडी की कार्रवाई को लेकर 8 विपक्षी दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था, इसमें भी टीएमसी ने पत्र पर साइन नहीं किए थे।

शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बंगाल में ममता से मुलाकात कर साथ चुनाव लड़ने का ऐलान किया। हालांकि, इस पर टीएमसी की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। अखिलेश यादव ने कहा कि क्षेत्रीय दलों के सहयोग से ही अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया जा सकता है। माना जा रहा है कि समाजवादी पार्टी पश्चिम बंगाल में ममता की पार्टी को अपना समर्थन दे सकती है और टीएमसी उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को समर्थन दे सकती है।

चीन में भी बजा रहा पीएम मोदी की लोकप्रियता का डंका

-चीनी लोग आदरपूर्वक कह रहे मोदी अमर हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच चल रहे सीमा विवाद के बावजूद, चीनी लोगों के दिल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर एक अलग सम्मान है। एक लेख के अनुसार, चीनी लोगों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आदरपूर्वक मोदी लाओक्सियन कहा जाता है, जिसका अर्थ है मोदी अमर हैं। मौजूदा समय में जब, दोनों देशों के संबंध मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, उस समय में इस तरह लोगों के बीच इतना सम्मान मिलना वाकई बड़ी बात है। लेख में कहा गया है चीन में भारत को कैसे देखा जाता है? चीनी सोशल मीडिया, विशेषकर सीना वीबो (चीन में ट्विटर के समान) के विश्लेषण के लिए मशहूर, पत्रकार मु चुनशान ने भी पीएम मोदी को लेकर बड़ी बात कही है। चुनशान के मुताबिक, अधिकांश चीनी महसूस करते हैं, कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व के प्रमुख देशों के बीच संतुलन बनाए रखा, सिना वीबो के 582 मिलियन से अधिक सक्रिय यूजर्स हैं।

चुनशान कहते हैं, प्रधानमंत्री मोदी का चीनी इंटरनेट पर एक अलग उपनाम है- मोदी लाओक्सियन, लाओक्सियन का संदर्भ कुछ विशेष क्षमताओं वाले एक बुजुर्ग अमर व्यक्ति से होता है। उपनाम का अर्थ है कि चीन में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोग सोचते हैं कि मोदी कुछ अलग हैं और अन्य नेताओं की तुलना में आश्चर्यजनक भी। चुनशान उनकी (पीएम मोदी की) पोशाक और शारीरिक बनावट दोनों की ओर इशारा करते हैं, जिसे लाओक्सियन की तरह देखा जाता है और उनकी कुछ नीतियां भारत की पिछली नीतियों से अलग हैं।

अन्य प्रमुख देशों के साथ भारत के संबंधों पर, उन्होंने कहा, चाहे वह रूस हो, अमेरिका, या वैश्विक दक्षिण देश, भारत के उन सभी के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों हैं, जो कुछ चीनी नागरिकों के लिए बहुत सराहनीय हैं। चुनशान ने लिखा, तो लाओक्सियन शब्द मोदी के प्रति चीनी लोगों की भावना को दर्शाता है, जिसमें जिज्ञासा, विस्मय का एक संयोजन है। मैं लगभग 20 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय मीडिया कवर कर रहा हूं और चीनी लोगों के लिए विदेशी नेता को उपनाम देना दुर्लभ है। मोदी का उपनाम अन्य सभी से ऊपर है। जो साफ दर्शाता है कि उन्होंने चीनी जनमत पर एक छाप छोड़ी है।

पीएम मोदी चीन में भी मशहूर हैं, क्योंकि उनका सिना वीबो (ट्विटर जैसा) पर अकाउंट हैं और इसके जरिए वह चीनी जनता के बीच बात रखते हैं। 2015 में इस अकाउंट को बनाया गया था और उनके 2.44 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। हालांकि, भाजपा महासचिव (संगठन) बी. एल. संतोष के अनुसार, भारत सरकार द्वारा 59 चीनी एप पर प्रतिबंध लगाने के बाद जुलाई 2020 में उन्होंने वीबो छोड़ दिया था। वहीं दूसरी तरफ चीनी लोगों का मानना है कि चीन के अपने सदाबहार सहयोगी, पाकिस्तान को अवास्तविक के रूप में यूज करने का प्रयास करता है, क्योंकि दो दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के बीच की खाई चौड़ी हो रही है।

पगड़ी फाड़ी, बालों से खींचकर फुटपाथ पर घसीटा, कनाडा में सिख छात्र पर हमला

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में सिख समुदा के एक छात्र पर हमले की एक नई घटना सामने आई है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत के एक 21 वर्षीय सिख छात्र पर कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में अज्ञात व्यक्तियों के एक समूह ने हमला कर दिया। उसकी पगड़ी फाड़ दी गई और उसे बालों से पकड़कर फुटपाथ पर खींचा गया। सीटीवी न्यूज ने बताया कि गगनदीप सिंह पर उस समय हमला किया गया जब वह शुक्रवार रात घर जा रहे थे। पार्षद मोहिनी सिंह ने कहा कि उन्होंने हमले के कुछ ही समय बाद सुना और गगनदीप से मिलने गईं। उन्होंने समाचार चैनल को बताया, ‰जब मैंने उसे देखा तो मैं डर गई। वह केवल नरम स्वर में बोल सकता था और वह अपना मुंह नहीं खोल सकता था। उसने कहा कि युवक की आंखें सूजी हुई थीं और स्पष्ट रूप से उसे काफी दर्द हो रहा था। पार्षद का कहना है कि उन्हें बताया गया था कि गगनदीप रात करीब 10ः30 बजे किराने की खरीदारी के बाद घर जा रहा था, जब उसे बस में 12 से 15 अन्य युवाओं का एक समूह मिला। मोहिनी सिंह बताती हैं कि एक उपद्रवी समूह बस में था। वे उसे परेशान करने लगे और उसकी ओर एक ‘विग’ फेंक दी। छात्र ने उनसे कहा कि उसे परेशान न करे, नहीं तो वह पुलिस को फोन कर देगा। हालांकि वे रुके नहीं और उसे परेशान करते रहे। इसके बाद गगनदीप बस से उतर गया। उन्होंने कहा कि वे भी उसके पीछे-पीछे उतर गए और बस के जाने का इंतजार करने लगे। इसके बाद उन्होंने उस पर हमला कर दिया उसके मुंह, पेट, हाथ और पैरो पर वार किया...उसकी पगड़ी उतार दी और उसे बालों से खींचकर सड़क किनारे गंदी बर्फ पर फेंक दिया।’

पूर्व पीएम इमरान के भतीजे बैरिस्टर हसन नियाजी को गिरफ्तार किया

-बुशरा बीबी को भी पूछताछ के लिए समन

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के भतीजे बैरिस्टर हसन नियाजी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कानूनी मामलों में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान के प्रमुख व्यक्ति हसन नियाजी को सोमवार को इस्लामाबाद में एक आतंकवाद विरोधी अदालत के बाहर गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि पुलिस चौकी पर विरोध करने पर नियाजी को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, पीटीआई का दावा है, कि कानूनी मामलों पर खान के मुख्य व्यक्ति को उनके खिलाफ दर्ज सभी मामलों में जमानत हासिल करने के बावजूद पुलिस अधीक्षक नौशेरवान अली चांदियो द्वारा अपहरण कर लिया गया है। साथ ही बुशरा बीबी को भी पूछताछ के लिए समन भेजा गया है। पाकिस्तान की एजेंसी बुशरा बीबी से 21 मार्च से पूछताछ करेगी। पीटीआई ने ट्वीट कर बताया कि यह पुलिस की बर्बरता का चरम है। नियाजी, एक वकील, जिसकी जमानत अदालत ने हाल ही में मंजूर की थी, का अपहरण कर लिया गया है। हसन नियाजी को जमानत पर होने के बावजूद एसपी नौशेरवान द्वारा अवैध रूप से अपहरण कर लिया गया है। इंसाफ लॉयर्स फोरम ने ट्वीट करते हुए कहा कि हम इस फासीवाद की निंदा करते हैं और उनकी तत्काल रिहाई की मांग करते हैं। मंच ने मांग की कि देश के मुख्य न्यायाधीश इस कानूनों के घोर उल्लंघन पर ध्यान देने की मांग की है।

न्यूजीलैंड की विदेश मंत्री नानैया माहुता चीन की यात्रा पर जाएगी

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड की विदेश मंत्री नानैया माहुता इस सप्ताह चीन की अपनी यात्रा के दौरान चीनी विदेश मंत्री छिन कांग से मुलाकात करेंगी। न्यूजीलैंड के किसी मंत्री की चार साल में यह पहली चीन यात्रा होगी। यह यात्रा उस समय में हो रही है जब चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग इस सप्ताह मॉस्को यात्रा की योजना बना रहे हैं। शी की यात्रा से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को कूटनीतिक संबल मिल सकता है। अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत ने घोषणा की थी कि वह कथित युद्ध अपराधों के लिए उन पर मुकदमा चलाना चाहती है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस हिप्किंस ने कहा कि रूस को लेकर न्यूजीलैंड का रुख अडिग है। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन पर रूसी हमले के स्पष्ट रूप से खिलाफ हैं। हम इस धारणा के भी पूरी तरह खिलाफ हैं कि अन्य देश यूक्रेन पर रूस के अवैध हमले का समर्थन कर सकते हैं। लेकिन हिप्किंस ने कहा कि फिर भी कोरोना संबंधी यात्रा पाबंदियों में ढील के बाद चीन के साथ व्यक्तिगत रूप से संबंध फिर से स्थापित करने का समय है। उन्होंने कहा, चीन का न्यूजीलैंड से बहुत महत्वपूर्ण रिश्ता है और जाहिर है कि पिछले कुछ साल में राजनयिक स्तर पर न्यूजीलैंड और चीन के बीच यात्रा पाबंदियां रही हैं। इसलिए, यह महत्वपूर्ण होगा कि हम फिर से संवाद के लिए व्यक्तिगत अवसर सृजित करें।’’

लंदन में भारतीय उच्चायोग में तिरंगा उतरने के मामले में एक व्यक्ति गिरफ्तार

लंदन । खालिस्तान समर्थकों द्वारा लंदन में भारतीय उच्चायोग में तोड़फोड़ कर इमारत से भारतीय ध्वज को हटाने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में भीड़ को पीले रंग का खालिस्तान बैनर लहराते हुए दिखाया गया है और एक व्यक्ति इमारत की पहली मंजिल की बालकनी से भारतीय ध्वज को हटाता है। हिंसक विरोध प्रदर्शन में दो सुरक्षा गार्ड घायल हो गए। मामले की जांच शुरू की गई है। भीड़ के सदस्यों को एक सिख अलगाववादी आंदोलन के समर्थक माना जा रहा है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देकर लंदन के मेयर सादिक खान ने ट्वीट में कहा, मैं भारतीय उच्चायोग में हुई अव्यवस्था और तोड़-फोड़ की निंदा करता हूं। इस तरह के व्यवहार के लिए हमारे शहर में कोई जगह नहीं है। मेयर खान ने कहा कि अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने इस घटना को अपमानजनक और अस्वीकार्य बताया।

अमृतपाल के समर्थन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खालीस्तानी समर्थको का प्रदर्शन, भारत के खिलाफ दुष्प्रचार हुआ तेज

टोरंटो/सैन फ्रांसिस्को । वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह के खिलाफ जारी पुलिस ऐक्शन का लंदन, कनाडा से लेकर अमेरिका तक विरोध देखने को मिल रहा हैं। जिसके चलते एक बार फिर खालीस्तानी आन्दोलन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलता दिख् रहा हैं। वहीं इन देशों की राजनीति में सक्रिय कुछ सिख नेताओं ने पंजाब के हालात पर चिंता जताई है और भारत से मानवाधिकारों को बचाने की अपील भी की है। वहीं पंजाब पुलिस का कहना है कि अमृतपाल सिंह के खिलाफ कार्रवाई कानून के अनुसार की जा रही है। पुलिस ने अमृतपाल सिंह के 78 समर्थकों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से कई अवैध हथियार भी बरामद हुए हैं। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के खिलाफ ऐक्शन से खालिस्तानी बौखला गए हैं। ब्रिटेन के लंदन शहर में भारतीय उच्चायोग से झंडा उतारने की कायराना हरकत के बाद अब अमेरिका के सैनफ्रांसिस्को शहर में खालिस्तानियों ने हमला किया है। खालिस्तान समर्थकों ने सैन फ्रांसिस्को के भारतीय वाणिज्य दूतावास में भारी तोड़फोड़ किया। खालिस-?तानियों ने पहले भारतीय महावाणिज्य दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया और अपने झंडे लगाए। भारतीय अधिकारियों ने इन झंडों को हटाया तो उन्होंने हमला कर दिया। उच्चायोग के अधिकारियों ने कहा कि प्रदर्शनकारियों का यह प्रयास नाकाम रहा और तिरंगा शान से लहरा रहा है। लंदन पुलिस ‘स्कॉटलैंड यार्ड’ ने कहा कि उसे इलाके में हुई एक घटना की जानकारी मिली है लेकिन उसने अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। इस घटना के कई वीडिया वायरल हुए है इन वायरल वीडियो में नजर आ रहा है कि जब भारतीय अधिकारियों ने काउंसलेट की बिल्डिंग में लगाए गए खालिस्तान के झंडे को हटाया तो वे बौखला गए और हमला करना शुरू कर दिया। लाठी, डंडे और तलवार से लैस खालिस्तानियों ने काउंसलेट की बिल्डिंग में लगे शीशे तोड़ दिए और जमकर तोडफोड़ की। ये खालिस्तानी काउंसलेट के बाहर बड़ी तादाद में इकट्ठा थे और नारेबाजी कर रहे थे। खालिस्तानियों को रोकने में सैन फ्रांसिस्को की पुलिस नाकाम साबित हुई। अमेरिका के न्यूयॉर्क में रविवार को अमृतपाल सिंह के समर्थन में रैली निकाली गई। इस रैली के लिए शेयर किए गए पोस्टर में अमृतपाल सिंह को रिहा करने की मांग की गई। हालांकि, अमृतपाल सिंह अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है। इस पोस्टर में लोगों से न्यूयॉर्क में 3ई 64 स्ट्रीट पर जमा होने की अपील की गई थी। खुद को संयुक्त राष्ट्र से संबंधित बताने वाले यूनाइटेड सिख नाम के एक संगठन ने भी अमृतपाल सिंह के समर्थन में ट्वीट किया है। इस संगठन ने लिखा कि मानवाधिकार किसी भी लोकतंत्र का आधार होते हैं। इस संगठन ने भारत पर सिखों के खिलाफ मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया।

आबू धाबी में सीरीया के राष्ट्रपति बशर अल असद से संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद से मुलाकात की।

शांति दूत बनाकर मॉस्को जा रहे जिनपिंग, रुस-यूक्रेन में शांति की पहल करने वाले

बीजिंग। सोमवार से चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का मास्को दौरा शुरू हो रहा है। जंग के बीच जिनपिंग का ये पहला रूस दौरा है। इस दौरान चीनी राष्ट्रपति की रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात होगी। तीसरे कार्यकाल मिलने के बाद पहली बार जिनपिंग रूस की यात्रा पर हैं। दो बड़े वैश्विक नेताओं की मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजर है। दोनों की करीबी पूरी दुनिया के लिए भी अहम संकेत दे रही है। चीनी सरकारी प्रवक्ता का बहुत बड़ा बयान सामने आया है। जिनपिंग के मॉस्को दौरे से ठीक पहले चीन की ओर से कहा गया कि जिनपिंग रूस और यूक्रेन में शांति की पहल करने वाले हैं। चीन के राष्ट्रपति की ओर से सुलह का फॉर्मूला भी पेश किया जा सकता है। अब खास बात ये है कि जिनपिंग के पिछले 12 सूत्रीए फॉर्मूले को नकार दिया गया था। यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने शी जिनपिंग के प्रस्ताव को रूस के पक्ष में एकतरफा बताया था। जिनपिंग इस बार शांति पहल में न्यूट्रल नजर आने की कोशिश कर सकते हैं। वहीं पुतिन ने एक लेख में आश्वासन दिया है कि रूस राजनीतिक कूटनीतिक तरीकों से यूक्रेन संकट के समझाने के लिए राजी है। हालांकि उन्होंने कीव की नई भू राजनीतिक वास्तविकताओं की मान्यता पर जोर दिया। यानी सीधे सीधे उनका कहना है कि यूक्रेन के उन चार इलाकों को मान्यता देने का है, जिन्हें रुस ने जीत लिया हैं।

यूक्रेन के औचक दौरे पर पहुँचे पुतिन, लोगों ने किया स्वागत

-एक परिवार के निमंत्रण पर उनके घर पहुंचे

मॉस्को (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय अदालत ने यूक्रेन में कार्रवाई को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट क्या जारी किया, पुतिन बेधड़क अंदाज में यूक्रेन के उन इलाकों में जा पहुँचे जहां रूसी सेना अपना कब्जा कर चुकी है। पुतिन की ओर से सप्ताहांत में किए गए औचक दौरे से पूरा विश्व हैरान रह गया। यूक्रेन के तबाह हो चुके शहर मारियुपोल के दौरे पर पहुँचे पुतिन ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उन्हें पूरी मदद का भरोसा दिया। इतना ही नहीं पुतिन एक स्थानीय परिवार के निमंत्रण पर उनके घर भी पहुँचे और इलाके का जायजा लिया। बता दें कि रूस द्वारा यूक्रेन पर सैन्य अभियान शुरू करने के बाद से यह पुतिन की मारियुपोल की यह पहली यात्रा थी।

पुतिन ने पहले यूक्रेन से काला सागर द्वीपीय क्षेत्र को अलग करने की वर्षगांठ मनाने के लिए क्रीमिया का दौरा किया उसके बाद मारियुपोल का दौरा कर उन्होंने क्षेत्र का जायजा लिया। पुतिन ने हेलीकॉप्टर से मारियुपोल के लिए उड़ान भरी और एक कार में बैठकर शहर का दौरा किया। रूसी मीडिया ने बताया कि पुतिन

मारियुपोल के नेवस्की जिले में एक परिवार से मिलने गए। बता दें कि साल भर से ज्यादा समय से चल रहे युद्ध के बाद अब रूसी सेना द्वारा कब्जायें इलाकों के निवासी अपने घरों में लौटने लगे हैं।

इस बीच, खबर है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सोमवार को रूस की यात्रा पर पहुँच रहे हैं। रूस और चीन की यह मुलाकात यूक्रेन युद्ध को देखते हुए तब अहम है ही, साथ ही यह मुलाकात इस मायने में भी अहम है कि जापान के प्रधानमंत्री आज भारत की यात्रा पर पहुँचे हैं जहां दोनों देश विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करने वाले हैं। तीसरी पर चीन का राष्ट्रपति बनने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर रूस जा रहे जिनपिंग के बारे में माना जा रहा है कि वह अपने रूसी समकक्ष पुतिन के साथ अहम बातचीत करने और वह यूक्रेन में जंग को खत्म करने के लिए शांति वार्ता की पैरवी कर सकते हैं।

किम जोंग उन ने अमेरिका और द.कोरिया के खिलाफ परमाणु हमले की धमकी दी

सियोल (एजेंसी) उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन अपनी तानाशाही रवैये से सुर्खियों में बने रहते हैं। वह अपनी धमकियों के लिए भी जाने जाते हैं। लेकिन इस बार उन्होंने परमाणु हमले की धमकी दी है। किम ने अमेरिका और द.कोरिया पर अमेरिकी परमाणु संपत्ति से जुड़े संयुक्त सैन्य अभ्यास का विस्तार करने का आरोप लगाते हुए युद्ध को रोकने के लिए किसी भी समय परमाणु हमले करने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

किम की यह धमकी उस समय में आई है, जब अलग-थलग पड़े देश ने दुश्मन देशों के खिलाफ कड़ी चेतावनी भेजने के लिए शनिवार और रविवार को अपनी सामरिक परमाणु हमले क्षमताओं और युद्ध निवारक में सुधार लाने के उद्देश्य से अभ्यास किया। केसीएनए ने कहा कि अभ्यास में एक सामरिक परमाणु हमले के परिदृश्य के तहत 800 मीटर (0.5 मील) की ऊंचाई पर एक लक्ष्य को मारने से पहले एक मॉक न्यूक्लियर वारहेड से लैस एक बैलिस्टिक मिसाइल ने 800 किमी (497 मील) उड़ान भरी। बता दें कि द.कोरिया और जापान ने रविवार को पूर्वी तट से एक उत्तर कोरियाई कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण की सूचना दी थी। जो हाल के हफ्तों में मिसाइल परीक्षणों की श्रृंखला में लेटेस्ट है।

मेरी छवि छवि एक ट्रॉमा रिस्पांस थी, मैंने बार्बी डॉल फंतासी कैरेक्टर को बनाया : पेरिस हिल्टन

लॉस एंजेलिस । अमेरिकी सोशलाइट पेरिस हिल्टन ने कहा है कि उनकी ऑन-स्क्रीन छवि एक ट्रॉमा रिस्पांस थी और उनके जीवन में आए संकटों से निपटने का एक तरीका था। मीडया रिपोर्ट के अनुसार 42 वर्षीय टीवी हस्ती को शो द सिंपल लाइफ से प्रसिद्धि मिली थी, जिसमें उन्होंने और उनके दोस्त निकोल रिची अपनी शानदार जीवन शैली छोड़कर सामान्य तरीके से रहने लगे। स्टार ने द वन शो में राइलन क्लार्क और जर्मेन जेनस से अपनी किताब पेरिस हिल्टन- द मेमॉयर के बारे में बात की, जहां उन्होंने अपनी किशोरावस्था के खराब अनुभवों को याद किया। हिल्टन ने बताया है कि कैसे उन्हें 15 साल की उम्र में नशीला पदार्थ पिलाकर बलात्कार किया गया, एक शिक्षक ने उन्हें गलत तरीके से छुआ और यूटा में बोर्डिंग स्कूल के दौरान उनका यौन शोषण किया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अरबों की संपत्ति की मालकिन और एक मॉडल के रूप में पेरिस में पहले से ही न्यूयॉर्क सोशल सर्किल में जानी पहचानी नाम थी, फिर उन्होंने द सिंपल लाइफ में काम किया, शो चार साल तक चला। द वन शो की मेजबान जर्मेन ने हिल्टन से पूछा कि क्या वो दो कैरेक्टर थी और क्या उन्होंने असली पेरिस हिल्टन और खुद द्वारा बनाए गए कैरेक्टर के बीच खुद को फंसा पाया?

चीन और ताइवान के बीच बढ़ रही दोस्ती, अमेरिका के लिए चिंता का सबब

-ताइवान के पूर्व राष्ट्रपति चीन की यात्रा पर जा रहे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बीजिंग (ईएमएस)। ताइवान और चीन के बीच हमेशा तनाव का माहौल रहा है, बीते कुछ सालों में इसमें इजाफा हुआ है। एक ओर अमेरिका ताइवान की संप्रभुता की रक्षा करने का दावा करता रहा है, तब वहीं चीन अमेरिका को आग से दूर रहने की सलाह देता रहा है। लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। ताइवान के पूर्व राष्ट्रपति मा यिंग-जिउ इस महीने चीन की यात्रा करने वाले हैं। 1949 के बाद यह पहला मौका है, जब ताइवान का कोई मौजूदा या पूर्व राष्ट्राध्यक्ष चीन का दौरा करने वाला है। 1949 में छिड़े सिविल वॉर के दौरान कम्युनिस्ट पार्टी के हाथों सत्ता गंवाने के बाद रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार ताइवान शिफ्ट हो गई थी।

तब से ही ताइवान में रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार चलती रही है, और इस द्वीप पर अपनी संप्रभु सत्ता चलाता रहा है। इसी को लेकर विवाद है और चीन का कहना है कि ताइवान उसका ही हिस्सा है, जिस वह मेनलैंड में शामिल करके रहेगा। भले ही इसके लिए सशस्त्र संघर्ष ही क्यों ना करना पड़े। बीजिंग और ताइपे के बीच बढ़े तनाव के दौरान मा यिंग-जिउ का यह दौरा बेहद अहम है। दरअसल बीते साल अमेरिकी संसद की स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया था। इस पर चीन लाल हो गया था और ताइवान की सीमा पर जमकर शक्ति प्रदर्शन किया था।

चीन की ओर से ताइवान के विलय के लिए सेना के इस्तेमाल से कभी भी इनकार नहीं किया गया। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने कहा कि हम मा यिंग जिउ के दौरे का स्वागत करते हैं। बयान में कहा गया कि अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि देने के लिए जिउ दौरे पर आ रहे हैं। इसके अलावा वह चीनी सरकार के प्रतिनिधियों से संवाद भी करने वाले हैं।

ब्रिसबेन में खालिस्तान जनमत संग्रह आयोजित, भारत हुआ नाराज

-क्या ऑस्ट्रेलिया के साथ उसके रिश्ते बिगड़ सकते

कैनबरा (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन में रविवार को जो कुछ हुआ है, उसके बाद भारत काफी नाराज है। बताया जा रहा हैं कि ऑस्ट्रेलिया के साथ उसके रिश्ते बिगड़ सकते हैं। ब्रिसबेन में खालिस्तान जनमत संग्रह 2020 को आयोजित किया था। बताया जा रहा है, कि इसमें खालिस्तान समर्थकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। वहीं कई लोग पूरे प्रकरण में पाकिस्तान की भूमिका से भी इनकार नहीं कर रहे हैं। जो बात सबसे दिलचस्प है, वह है, ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथोनी अल्बानीज की भूमिका। पिछले दिनों जब वह भारत के दौरे पर आए थे, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह भरोसा दिलाकर गए थे कि इस तरह का कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं होने दिया जाएगा। इसके बाद अब भारत सरकार ऑस्ट्रेलिया से काफी खफा है।

ब्रिसबेन में जो जनमत संग्रह हुआ है, इस सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजेड) की तरफ से आयोजित किया किया गया था। संगठन की मानें तब ब्रिसबेन उनके लिए एक युद्ध का मैदान है। इस दौरान खालिस्तानियों ने भारत के राष्ट्रीय ध्वज को भी हटा दिया। इसके बाद भी पुलिस चुपचाप देखती रही। जनमत संग्रह उस समय में हुआ है जब ऑस्ट्रेलिया में कई हिंदू मंदिरों पर हमले की खबरें आई हैं।

पीएम मोदी की ओर से पहले ही कहा जा चुका है, कि ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर होने वाले हमले निंदनीय हैं। उन्होंने मंदिरों पर हमले को दुखद घटना करार दिया था। अल्बानीज जिस समय भारत आए थे उन्होंने पीएम मोदी को भरोसा दिलाया था कि भारतीय समुदाय की रक्षा और उनके सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए भारतीय समुदाय की रक्षा हमेशा प्राथमिकता रहेगी। पीएम मोदी ने अल्बानीज के साथ जनमत संग्रह पर दो टूक वार्ता की थी। लेकिन इसके बावजूद अथॉरिटीज इस रोकने असफल रही हैं।

मेलबर्न में भी इस तरह का एक जनमत संग्रह 29 जनवरी को हुआ था। उस दौरान इस जनमत संग्रह का विरोध करने वाले कई लोगों पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमले किए थे। इन समर्थकों ने धारदार हथियारों से उन्हें निशाना बनाया था। विक्टोरिया में पुलिस की टीमें उन लोगों की तलाश रही हैं जिन्होंने इन हमलों को अंजाम दिया था। लोगों से मदद मांगी जा रही है। मेलबर्न के फेडरेशन स्क्वॉयर में जो जनमत संग्रह हुआ था वहां पुलिस भी मौजूद थी। इस दौरान तिरंगे को भी जलाया गया था। दोनों ही घटनाओं में पुलिस ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और भीड़ को हटाया था।

महिलाओं को भुगतान से जुड़े मामले में किया जा सकता है गिरफ्तार : ट्रंप

न्यूयॉर्क । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने महिलाओं को भुगतान करने से जुड़े एक मामले में कहा कि जल्द ही उन्हें गिरफतार किया जा सकता है और उन्होंने अपने समर्थकों से प्रदर्शन करने का आह्वान किया। आरोप है कि पूर्व राष्ट्रपति के इन महिलाओं से यौन संबंध थे और उन्होंने उन्हें धन देकर मामले को सार्वजनिक नहीं करने को कहा था। बहरहाल, ट्रंप की वकील और प्रवक्ता ने कहा कि अभियोजकों की ओर से कोई संदेश नहीं मिला है लेकिन ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें मंगलवार को गिरफ्तार किया जा सकता है। उन्होंने बाद में एक पोस्ट में अपने समर्थकों से प्रदर्शन करने का आह्वान किया और राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा ?कि हम अब इसे और नहीं होने दे सकते। वे हमारे देश की हत्या कर रहे हैं और हम बैठकर बस देख रहे हैं। हमें अमेरिका को बचाना होगा। प्रदर्शन, प्रदर्शन, प्रदर्शन करिए। ट्रंप ने इसी तरह की अपील पिछले राष्ट्रपति चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद भी की थी जिससे छह जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन परिसर में हिंसा हुई थी। ट्रंप की वकील सुजैन नेचेल्स ने कहा कि ट्रंप की पोस्ट मीडिया में आयी खबरों पर आधारित है और एक प्रवक्ता ने कहा कि अभी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी आल्विन ब्रैग के कार्यालय से कोई अधिसूचना नहीं मिली है।

पाकिस्तानी आर्थिक जानकारों की माने तब देश को इस कंगाली से भारत ही बाहर निकल सकता

-पाक मीडिया भी भारत से बेहतर रिश्ते के पक्ष में

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान में लाहौर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर सुरेश कुमार भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में इसपर चर्चा हुई कि क्या दशकों पुरानी कड़वाहट भुलाकर भारत, पाकिस्तान की मदद कर सकता है। कार्यक्रम के मुताबिक दोनों पक्षों को तेज आर्थिक विकास के लिए एक-दूसरे के साथ आना चाहिए। साल 2019 से ही दोनों देशों के बीच संपर्क बंद है और कई लोग इस बात को कह चुके हैं कि पाकिस्तान को अगर आगे बढ़ना है, तब फिर भारत से मदद लेनी होगी।

कुमार ने कहा कि भारत हमेशा पाकिस्तान के साथ अच्छे रिश्ते चाहता है, क्योंकि भूगोल को बदला नहीं जा सकता है। उन्होंने इस दौरान व्यापारिक संबंधों को भी सामान्य करने की बात कही। कुमार ने कहा कि भारत हमेशा से मध्य एशिया के बाजारों पर ध्यान केंद्रित करना चाहता था और पाकिस्तान इसमें सहयोग कर सकता था। यह बात भी काफी ध्यान देने वाली है कि लाहौर चैंबर की तरफ से कार्यक्रम में किसी भारतीय अधिकारी को बुलाया गया था। पाकिस्तानी मीडिया का मानना है कि यह कहीं न कहीं यह बताता है कि पाकिस्तान खराब रिश्तों से आगे बढ़ाना चाहता है।

पाक मीडिया के मुताबिक उसने हमेशा से ही भारत के साथ बेहतर रिश्तों की बात कही है। पाकिस्तानी अखबार का कहना है कि भारत और पड़ोस में स्थित दूसरे देशों के साथ अच्छे रिश्ते पाकिस्तान के ही हित में हैं। पाकिस्तान के आर्थिक रिश्ते उसके प्रमुख पश्चिमी साथियों खासकर अमेरिका और यूरोपियन यूनियन के

साथ कमजोर होते जा रहे हैं। साथ ही इन देशों की अर्थव्यवस्था की रफ्तार भी धीमी होती नजर आने लगी है। इसके बाद यह जरूरी है कि क्षेत्रीय व्यापारिक भागीदारों के साथ वर्तमान में धीमे पड़ चुके या बंद हो गए रास्तों को फिर से खोला जाए और रिश्तों में सुधार किया जाए।

संपादकीय

थामे रखिए अपनों का हाथ

पत्थर तब तक सलामत है जब तक वो पर्वत से जुड़ा है । पत्ता तब तक सलामत है जब तक वो पेड़ से जुड़ा है । ठीक इसी तरह इंसान तब तक सलामत है जब तक वो परिवार से जुड़ा है क्योंकि परिवार से अलग होकर आजादी तो मिल जाती है लेकिन संस्कार चले जाते हैं । जीवन में हर पल हम अनुशासित रहकर परिवार से जुड़े रहकर सफलता हासिल की जा सकती है या नहीं । पर मुसीबत के समय में परिवार या अपनों का सहयोग मनोबल बढ़ाता है और हर तरह की मुसीबत से लड़ने की हिम्मत मिलती है । जिनके सर पर अपने से बड़ों का साया होता है उनका साथ होता है । वह आज के जमाने में डिप्रेशन जैसी भयंकर बीमारियों से भी बच जाता है ।और हर मुसीबतों से लड़ने के लिए वापस तैयार हो जाता है ।आज की युवा पीढ़ी के लिए सीधा उदाहरण अभी हाल ही में किसी की मौत है जो सफलता के क्षणों में अपने परिवार से दूर होकर आगे बढ़ता रहा जहां उसे कोई सही राह दिखाने वाला नहीं था क्योंकि परिवार उसके पास नहीं था इसलिए वह कहां गलत हुआ कि संभलने का मौका ही नहीं मिला ठीक इसके विपरीत अभिनेता अभी भी अपने परिवार के साथ आगे बढ़ते अनेक मुसीबतों से जूझते हुए कई बार टूटे लेकिन उनके साथ उनका परिवार था इसलिए वह हर बार संभलते गए और निरंतर आगे बढ़ते गए। और आज तक उन्होंने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। कभी-कभी जब बड़े इंटरफेयर करते हैं तो बुरा जरूर लगता है पर नाकामी मुसीबत के समय अपनों का सर पर हाथ हो तो वह कई संकट से बच के निकल जाते हैं।

चाहे जहां भी हो अपनों से नाता ना तोड़ो चाहे जितनी भी मुसीबत हो जहां दो बर्तन होंगे वहां खटपट होगी पर उस खटपट से रिश्ते टूटने नहीं चाहिए और अधिक मजबूत होने चाहिए जिससे जीवन मैं कभी भी अकेलापन और भय नहीं रहेगा । एक विश्वास हमेशा साथ रहेगा अपनों के साथ होने का अपनों से जुड़े होने का अहसास भी । तभी तो कहा हैं की थामे रखिए अपनों का हाथ ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

सूक्ति

तीन चीजों को लम्बी अवधि तक छुपाया नहीं जा सकता, सूर्य, चन्द्रमा और सत्य।
– गौतम बुद्ध

प्रत्येक बालक यह संदेश लेकर आता है कि ईश्वर अभी मनुष्यों से निराश नहीं हुआ है।
– रवींद्रनाथ ठाकुर

चिंतन-मनन

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया। समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदाथरे के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव।

इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है। बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।

जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

मनोरंजन करती कठपुतलियां

21 मार्च विश्व कठपुतली दिवस पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा

> प्राचीन भारतीय संस्कृति व कला को बचाने और प्रोत्साहन देने के तमाम दावों के बावजूद कठपुतली कला को बचाने के लिए सरकारी स्तर पर कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। हमारे देश में कठपुतली कला के स्वरूप में खासे बदलाव देखे जा सकते हैं। आज इनमें महिला शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, परिवार नियोजन जैसे विषयों पर आधारित कार्यक्रम, हास्य-व्यंग्य और शैक्षणिक कार्यक्रम भी दिखाए जाते हैं।

हम हर साल 21 मार्च को विश्व कठपुतली दिवस मनाते हैं। इस दिन का उद्देश्य कठपुतली को वैश्विक कला के रूप में मान्यता देना है। यह दुनिया भर के कठपुतली कलाकारों को का सम्मान करने का एक प्रयास है। एक समय था जब कठपुतली को सिर्फ मनोरंजन का माध्यम समझा जाता था। लेकिन आज कठपुतली कला मनोरंजन के साथ ही लोगों को जागरुक भी कर रही है। प्राचीनकाल से ही जादू टोनों एवं कुदरती प्रकोपों से बचने के लिए मानव जीवन में पुतलों का प्रयोग होता रहा है। भारत में ही नहीं बल्कि अन्यत्र भी काष्ठ, मिट्टी व पाषाण से निर्मित ये पुतले जातीय एवं पारिवारिक देवताओं के रूप में प्रतिष्ठित होते रहे हैं।

कठपुतलियों का इतिहास बहुत पुराना है। ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में पाणिनी की अष्टाध्यायी के नटसूत्र में पुतला नाटक का उल्लेख मिलता है। कुछ लोग कठपुतली के जन्म को लेकर पौराणिक आख्यान का जिक्र करते हैं कि शिवजी ने काठ की मूर्ति में प्रवेश कर पार्वती का मन बहलाकर इस कला की शुरुआत की थी। सतवर्द्धन काल में भारत से पूर्वी एशिया के देशो इंडोनेशिया, थाईलैंड, म्यांमार, जावा, श्रीलंका आदि में इसका विस्तार हुआ। आज यह कला चीन, रूस, रूमानिया, इंग्लैंड, चेकोस्लोवाकिया, अमेरिका व जापान आदि अनेक देशों में पहुंच चुकी है। इन देशों में इस विधा का सम-सामयिक प्रयोग कर इसे बहुआयामी रूप प्रदान किया गया है। वहां कठपुतली को मनोरंजन के अलावा शिक्षा, विज्ञापन आदि अनेक क्षेत्रों में इस्तेमाल किया जा रहा है।

भारतीय कठपुतलियों की प्राचीनता के सम्बन्ध में पौराणिक ग्रन्थों में उल्लेख मिलता हैं। महाभारत में अर्जुन द्वारा ब्रहन्नला को कठपुतलियों का खेल सिखाने का उल्लेख है। महाभारत में रूपजीवन शब्द का भी काफी प्रयोग हुआ है और वह भी पुतलियों के खेल-तमाशों के संदर्भ में। पंचतंत्र नामक ग्रन्थ में ऐसी कठपुतलियों का जिक्र है। जो लकड़ी की खूटियों के सहारे नाना प्रकार के मानवी करतब दिखलाती थी। विक्रमादित्य के समय सिंहासन बतीसी नामक एक ऐसा सिंहासन था जो दिन में सम्राट के बैठने के काम आता था और रात को उसकी बतीस कठपुतलियां विभिन्न प्रकार से रागरंग कार्यक्रम कर सम्राट को रिझाती थी।

राजस्थान की स्ट्रिंग कठपुतलियां दुनिया भर में मशहूर हैं। इसके अलावा उड़ीसा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भी कठपुतलियों की यही कला प्रचलित है। राजस्थानी कठपुतलियों का ओवल चेहरा, बड़ी आंखें, धनुषाकार भौंहें और बड़े होंठ इन्हें अलग पहचान देते हैं। 5-8 स्ट्रिंग्स से बंधी ये कठपुतलियां राजस्थानी संगीत के साथ नाटक पेश करती हैं। राजस्थान में कठपुतलियों का प्रचलन काफी समय से हो रहा है। यहां कठपुतलियां नटों तथा भाटों द्वारा प्रयुक्त होती है। ये नट नाटक भी करते थे, नाचते भी थे एवं विभिन्न प्रकार के शारीरिक करतब भी दिखलाते थे। यह रस्सियों पर भी चलते थे ओर कठपुतलियां भी नचाते थे। नट जाति में प्रचलित एक किवदंती के आधार पर ब्रह्मा के वरदान से एक आदि नट की उत्पत्ति हुई थी। इन नटों के पूर्वज ही विक्रमादित्य के समय में ''सिंहासन बतीसी'' नामक कठपुतली नाटक के सर्जक थे। भारत की पुरातन संस्कृति का केन्द्रस्थल उत्तर भारत का राजस्थान एवं सिंध क्षेत्र रह चुका है।

राजस्थान के नट जो पहले राजा-महाराजाओं के दरबारों की शोभा बढ़ाते थे। धीरे-धीरे सामाजिक एवं आर्थिक कारण से पिछड़ते चले गये और छोटी-छोटी जातियों के याचक बन गये। जिन राजाओं तथा विशिष्टजनों ने उन्हें प्रोत्साहन एवं संरक्षण प्रदान किया उन्हीं की जीवन-गाथायें इनकी पुतलियों का

विषय बन गयी। जैसे विक्रमादित्य के काल की ''सिंहासन बतीसी'', पृथ्वीराज चैहान के समय की 'पृथ्वीराज संयोगिता व अमरसिंह राठौड़' का खेल प्रमुख थी।

घोर परम्परा एवं जातीय बन्धनों में बंधे हुये ये भाट आज भी अपनी पुतलियों में संशोधन आदि का सुझाव नहीं मानते हैं। राजस्थान में आज इस जाति के लगभग सोलह हजार भाट मौजूद हैं। जिनमें से लगभग आठ हजार किसी न किसी ढंग से कठपुतलियां नचाने का काम करते हैं। कुछ खेती बाड़ी के धन्धे में भी लगे हुये हैं तो कुछ ने नाच गाने को अपना पेशा बना लिया है। कुछ अपने यजमानों के घर व शादी विवाह के अवसर पर ढोल बजाकर याचक का काम करते हैं।

राजस्थान में कठपुलियों का खेल दिखाने का मंच बहुत ही सादा होता है। गांव में कठपुतली का खेल दिखाने हेतु दो खाट खड़ी कर उसको ऊपर-नीचे से बांसों से जकडकर मंच की शक्ल दे दी जाती है। आगे की तरफ बारादरीनुमा ''ताजमहल'' नामक पर्दा लगा दिया जाता है। पृष्ठ भूमि में एक रंगीन काली चादर लगा दी जाती है जिसके पीछे से ये कठपुतलियों का संचालन करते हैं। इनकी कठपुतलियों का आकार लगभग डेढ़ फुट का होता है। इन कठपुतलियों की वेशभूषा पारम्परिक राजस्थानी होती है।

तीन सौ वर्षों से निरन्तर प्रचलन में होने से राजस्थानी कठपुतलियों का मूल नाटक बिल्कुल ही विकृत हो गया है। अब तो दर्शक संचालन शैली तथा नाट्य-विधि के कारण ही कठपुतली का खेल देखते हैं। आज भी राजस्थानी कठपुतलियों में दर्शकों को बांधने की ताकत देखने का मिलती है जो कदाचित अन्य किसी में नहीं है। कठपुतली संचालक द्वारा अपने मुंह से ही सीटीनुमा आवाज निकालकर भाव व्यक्त किया जाता है। आमतौर पर आजकल कठपुतली निर्माण कार्य कठपुतली संचालक स्वयं ही करता है क्योंकि पारम्परिक कठपुतली निर्माता बढ़ई बहुत कम संख्या में रह गये हैं। इन कठपुतलियों को भाट बड़े आदर-भाव से देखते हैं। आज भी इनकी पारम्परिक कठपुतलियों के लंहगों की अनेक परतें इनकी पुरातन प्रियता की द्योतक है। कठपुतलियों के मुंह निर्मित होते हैं तथा अन्य सब अंग रूई व कपड़ों से बनाये जाते हैं। प्रयोग में नहीं आने वाली कठपुतलियों को ये लोग फेंकते नहीं बल्कि आदर पूर्वक जल में प्रवाहित करते हैं।

राजस्थानी कठपुतलियों में चेहरे का आकार शरीर से बड़ा, आंखें काफी बड़ी, वक्षस्थल अत्यन्त लघु एवं उभरा हुआ तथा पांवों का न होना इनकी अपनी विशेषता है। इससे कठपुतलियों का संचालन अत्यन्त सजीव बन जाता है। कठपुतलियों के खेल दिखाने वाले दल में दो या तीन व्यक्ति होते हैं। औरतें ढालक बजाती हैं व मर्द कठपुतलियां चलाते हैं। इनके दोनों हाथ मशीन की तरह चलते हैं। सीटी द्वारा उत्पन्न विविध ध्वनियां, वाचन के साथ पैर से पैदा की गयी आवाजें तथा ढोलक की विचित्र थापें समस्त नाटक को प्राणवान बना देती हैं।

राजस्थानी कठपुतलियां पिछले सैकड़ों वर्षों से समाज की अवहेलना व उदासीनता की शिकार रही हैं। इन्हें सरकार से किसी प्रकार का कोई संरक्षण प्राप्त नहीं हुआ है। इन कठपुतली परिचालक भाटों को उनका पिछड़ापन, अंधविश्वास तथा इनकी परम्परागतता ने भी इन्हें काफी हानी पहुंचाई है। सरकार को इन सर्वाधिक पुरातन कठपुतली कला को आधुनिक बनाने के लिए नये कथानक, नये विचार तथा नवजीवन प्रदान करने में सहयोग करना चाहिये ताकि हमारे लोक जीवन का अंग बन चुकी कठपुतली कला सदैव हमारे साथ रहकर मनोरंजन करती रहे।

जीविकोपार्जन के लिए कठपुतली कलाकारों को गांव-कस्बों से पलायन करना पड़ रहा है। कलाकारों ने नाच-गाना और ढोल बजाने का काम शुरू कर लिया है। रोजगार की तलाश ने ही कठपुतली कलाकारों की नई पीढ़ी को इससे विमुख किया है। जन उपेक्षा व उचित संरक्षण के अभाव में नई पीढ़ी इस लोक कला से उतनी नहीं जुड़ पा रही है जितनी जरूरत है। उनके परिवार के सदस्य आज भी अन्य किसी व्यवसाय की बजाय कठपुतली बनाना पसंद करते हैं। वह कहते हैं कि कठपुतली से उनके पूर्वजों की यादें जुड़ी हुई हैं।

उन्हें इस बात का मलाल है कि प्राचीन भारतीय संस्कृति व कला को बचाने और प्रोत्साहन देने के तमाम दावों के बावजूद कठपुतली कला को बचाने के लिए सरकारी स्तर पर कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। हमारे देश में कठपुतली कला के स्वरूप में खासे बदलाव देखे जा सकते हैं। आज इनमें महिला शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, परिवार नियोजन जैसे विषयों पर आधारित कार्यक्रम, हास्य-व्यंग्य और शैक्षणिक कार्यक्रम भी दिखाए जाते हैं।

विचार-मंथन

ईडी की अपार शक्तियों का सदुपयोग या दुरुपयोग ?

सनत जैन

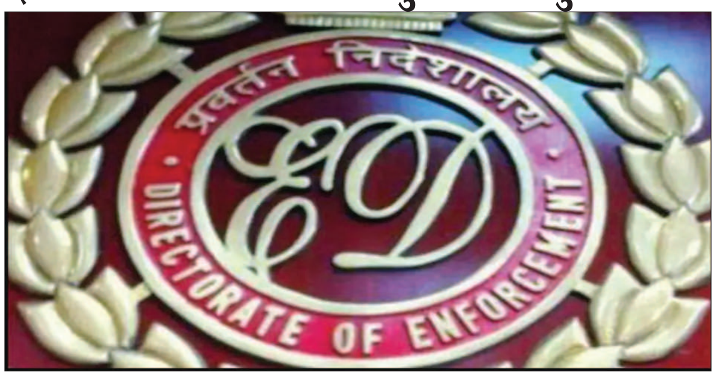

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर 16 विपक्षी दलों के नेताओं ने बैठक की। ईडी द्वारा मनमाने तरीके से की जा रही कार्रवाई को लेकर सारे विपक्षी दलों ने ईडी को निशाने पर ले लिया है। एनडीए के 2014 के शासनकाल से अब तक 121 नेताओं पर ईडी ने कार्रवाई की है। इसमें 115 नेता विपक्षी दलों के हैं। 6 बीजेपी गठबंधन के नेता हैं। भाजपा में जाने के बाद उनके खिलाफ अदालती कार्यवाही रुक गई है। ईडी जांच के नाम पर कार्यवाही टाल रही है। अडानी के खिलाफ मनी लार्डिंग के स्पष्ट आरोप एवं प्रमाण होने के बाद भी ईडी द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की गई। जबकि ईडी को अडानी समूह द्वारा की जा रही गड़बड़ियों पर बहुत पहले ही कार्रवाई कर लेनी चाहिए थी। इस भेदभाव पूर्ण कार्यवाही को लेकर विपक्षी दलों के 200 सांसदों ने ईडी में शिकायत दर्ज कराने पैदल मार्च करते ईडी कार्यालय जा रहे थे। उन्हें दिल्ली रोक दिया। पुलिस ने इसके बाद विपक्ष ने ईडी को अपने निशाने पर ले लिया है।

सीबीआई और एनआईए से ज्यादा पावर, सरकार ने केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईडी को दिए हैं। ईड़ी देश की इकलौती जांच एजेंसी है। जिसे मनी लांड्रिंग के मामलों में नेताओं और अफसरों को तलब करने, उन पर मुकदमा चलाने गिरफ्तारी करने के लिए सरकार से अनुमति लेने की जरूरत नहीं होती है। अब इस दायरे में जज और सेना के अधिकारियों को भी शामिल कर लिया गया है। ईडी कहीं पर भी छापा मार सकती है। प्रॉपर्टी जप्त कर सकती है। किसी को भी गिरफ्तार कर सकती है। ईडी के अधिकारियों के सामने दिए गए बयान को कोर्ट को सबूत माना जाता है। अदालतों के अधिकार सीमित कर दिए गए हैं। ईडी की गिरफ्त में जो भी बयान लिए जाते हैं। वह दबाव में लिए गए अथवा स्वेच्छा से दिए गए हैं। इसका फैसला जब मुकदमा चलता है, और साक्ष्यों के आधार पर अदालती कार्रवाई होती है। उसके बाद ही वह सही थे, या गलत है, इसका फैसला हो सकता है।

2014 के बाद से पीएमएलए कानून का उपयोग या दुरुपयोग विपक्षी दलों के खिलाफ हो रहा है। सरकार के इशारे पर ईडी कार्रवाई कर रहा है । ईडी के निदेशक पद पर सेवानिवृत्ति के बाद भी एक ही अधिकारी बार-बार सेवा वृद्धि किए जाने के कारण अब यह मामला कानूनी रुप में भी तूल पकड़ता जा रहा है। 31 जनवरी 2023 तक ईडी ने, पीएमएलए कानून के तहत 5906 प्रकरण दर्ज किए हैं। इनमें लगभग 3 फ़ीसदी प्रकरण विधायक पूर्व विधायक, एमएलसी, सांसद, पूर्व सांसदों के खिलाफ दर्ज हुए हैं। अभी तक ईडी ने केवल 1142 आरोपियों की चार्ज सीट विशेष न्यायालय में दाखिल की है। 513 लोगों को ईडी ने गिरफ्तार किया है। पिछले 8 सालों में 115 विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ ईडी ने कार्यवाही की है। इसमें चार गुनी वृद्धि हुई है। जिनके खिलाफ ईडी नोटिस जारी करती है। नोटिस जारी होने के बाद कई नेता भाजपा मैं शामिल हो जाते हैं। उसके बाद उनके ऊपर कोई कार्यवाही ईडी नहीं करता है। यह आरोप विपक्षी दल लगा रहे हैं। पीएमएलए एक्ट में ईडी के अधिकारियों को असीम शक्ति दी गई है। इसमें न्यायालयों को भी जमानत देने के अधिकार को सीमित कर दिया गया है। पिछले कुछ वर्षों में ईड़ी द्वारा विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी के बाद उन्हें कई महीनों तक जांच के नाम पर रिमांड लेने और जेल में बंद रखने की भी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। अडानी मामले में अब विपक्ष के हाथ में ऐसा अमोध शस्त्र आ गया है। जिसका सामना करना पाना ईड़ी के लिए भी अब मुश्किल हो रहा है। अभी तक जिन मामले में गिरफ्तारी की गई हैं। न्यायालय में महीनों तक कोई भी सबूत ईडी प्रस्तुत नहीं कर पाई। इसको लेकर अब न्यायालयों का रुख भी सख्त हो रहा है। मुंबई हाईकोर्ट ने संजय राउत मामले में जो फैसला दिया गया है। उसके बाद ईडी पर भी अब दबाव बढ़ गया है।

प. बंगाल

ये कैसी 'ममता'

बिमल राय

ऋषि अरविंद घोष ने कहा था, 'हमारा वास्तविक शत्रु कोई बाहरी ताकत नहीं है, बल्कि हमारी खुद की कमजोरियों का रोना, हमारी कायरता, हमारा स्वार्थ, हमारा पाखंड, हमारा पूर्वाग्रह है।'

बंगाल में जन्मे इस प्रखर राष्ट्रवादी सपूत ने यह बात तब कही थी, जब भारत परतंत्र था और इसका मकसद था स्वतंत्रता की लड़ाई के लिए लोगों को जगाना। आजादी के अमृत काल में ये बातें आज बंगाल के संदर्भ में बहुत कुछ लागू हो रही हैं, जहां अपनी सत्ता बचाए रखने के लिए विरोधियों की हत्या से लेकर दूसरों का हक छीनकर अपने कैडर तंत्र को मजबूत रखने की लपलपाती आकांक्षा दिख रही है।

हाल में ऋषि अरविंद की 150वीं जन्म वार्षिकी को लेकर कोलकाता के अलीपुर बार एसोसिएशन के कार्यक्रम में सीएम ममता बनर्जी आमंत्रित थीं। मंच पर हाई कोर्ट के जस्टिस सुब्रत तालुकदार भी थे। अपने भाषण में बंगाल की दीदी ने जो बातें कहीं, उनकी किसी ने उम्मीद न की थी। उनकी वाणी में करु णा थी क्योंकि हाल में कोर्ट के आदेश से जलपाईगुड़ी में नौकरी गंवाने वाले ग्रुप सी के दो कर्मचारियों ने खुदकुशी कर ली थी। ममता ने मासूमियत से कहा कि मुख्य न्यायाधीश से तो बात नहीं हुई पर यहां मौजूद सुब्रत (तालुकदार) दा से मेरी अपील है कि अदालत मानवीय रुख दिखाए। फिर उन्होंने नाम लिए बिना माकपा नेता एवं कोलकाता के पूर्व मेयर विकास रंजन भट्टाचार्य की ओर इंगित कर कहा कि लोग नौकरी दे नहीं सकते पर दूसरों की नौकरी खाने में दिन-रात लगे रहते हैं। मालूम हो कि विकास रंजन ने कई जनहित याचिकाएं दायर की हैं, और नौकरी से वंचित किए गए प्रतिभाशाली व योग्य शिक्षक और गैर-शिक्षक अभ्यर्थियों के कई मामले लड़ रहे हैं।

सीएम ने कहा कि वाम मोर्चा के शासन की 'फर्जी' नियुक्तियों को तो उनकी सरकार ने रद्द नहीं किया? सवाल यह है कि अगर वाम शासन में फर्जी नियुक्तियां हुई थीं, तो उसकी जांच करवाना उनका राज धर्म था। दीदी इतनी उत्तेजित थीं कि उन्होंने यह भी कह डाला कि आप चाहें तो मुझे मारें, पीटें लेकिन किसी की नौकरी न लें। सोचिए, कल को अगर लालू प्रसाद यादव कहें कि जमीन के बदले नौकरी मामले में मुझ पर या मेरे परिवार पर रहम किया जाए क्योंकि मेरी किडनी बदली गई है, तो क्या यह गुहार जांच एजेंसी या किसी अदालत को मान्य होगी? पिछले साल शिक्षक दिवस पर आयोजित समारोह में दीदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के इस 'कथन' को उद्धत किया था कि भूल करना हमारा अधिकार है। वे कई सभाओं में कह चुकी हैं कि कुछ लोगों ने भूल की है पर उन्हें सुधार का मौका देना चहिए। पर, आज बंगाल की जनता भी कह रही है कि हमने आपको तीसरी बार चुना, आप हमें सुशासन दें। भूल वाली सफाई के साथ-साथ ममता ने मंत्रिमंडल की बैठक कर नौकरी गंवाने वालों के लिए खाली पद सृजित करने का फैसला किया।

मामला जब हाई कोर्ट के जज अभिजित गांगुली की कोर्ट में गया तो उन्होंने बिफर कर तृणमूल की मान्यता रद्द करवाने के लिए चुनाव आयोग से आग्रह करने तक की बात कही। कलकत्ता हाई कोर्ट के कई जजों व खंडपीठ ने सबसे पहले इस साल जनवरी में 183 प्राथमिक शिक्षकों की सेवा रद्द कीं। हालांकि सीबीआई के मुताबिक अवैध भर्तियों की संख्या 952 है। फिर 11 फरवरी को सरकारी स्कूलों में 1,911 ग्रुप डी कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त की गईं। ग्रुप डी कर्मचारियों के लिए 2016 में हुई भर्ती परीक्षा के लिए उनकी ओएमआर शीट में हेराफेरी सामने आई। जिन्हें 1 नंबर मिले थे, उनके 51 नंबर कर दिए गए और जिन्हें जीरो मिला था, उनके अंक 50 हो गए। 10 मार्च को हाई कोर्ट ने 842 ग्रुप सी कर्मचारियों पर गाज गिराई। इससे खुलासा हुआ है कि बड़े पैमाने पर सत्तारूढ़ पार्टी से संबंध रखने वाले लोगों को नौकरियां मिली हैं।

इसमें सालबोनी के विधायक श्रीकांत महतो के भाई, मंदिरबाजार सीट से विधायक जॉयद हलदर के बेटे, दक्षिण 24 परगना में डायमंड हार्बर नगर पालिका के पार्टी पार्षद अमित साहा , बागदा के तृणमूल के पूर्व विधायक दुलाल बर की बेटी जैसे दर्जनों लोगों के नाम हैं। हालांकि अब दुलाल भाजपा की 'वाशिंग मशीन' में धुलकर गेरु आ चोला पहन चुके हैं। अब तक हाई कोर्ट ने अवैध तरीकों से सरकारी स्कूलों के 3,623 लोगों की नियुक्तियां रद्द की हैं। ममता महसूस करें कि वे बंगाल के 9 करोड़ लोगों की मुख्यमंत्री हैं। अपनी पार्टी के कैडरों की नहीं। इसमें कोई शक नहीं कि बंगाल में भ्रष्टाचार संस्थागत रूप ले चुका है। पूर्व शिक्षा मंत्री से लेकर स्कूल सर्विस कमीशन के एक दर्जन से ज्यादा लोग सलाखों के पीछे हैं। चाहिए था कि ममता दोषियों को बचाने की कोशिश के बदले न्यायिक प्रक्रिया से सहयोग कर तृणमूल और अपनी सरकार की गंदगी साफ करतीं। वे बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का ध्यान रखतीं। ऐसा करने पर हम फिर वही ममता देखते, जिसने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ जंग लड़कर 34 साल की वाम मोर्चा सरकार को उखाड़ फेंका था।

लड़कियों को आलसी कहने वाले बयान पर सोनाली कुलकर्णी ने मांगी माफी

अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं। सोनाली कूलकर्णी का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिस में वो लड़कियों को आलसी बता रही थी। इस वीडियो के वायरल होने के बाद सोनाली को एक ओर जहां काफी सपोर्ट किया गया तो दूसरी ओर उन्हें काफी ट्रोल भी किया गया। ऐसे में सोनाली ने अब इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है, जिस में उन्होंने माफी मांगी है। सोनाली ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में सोनाली ने एक नोट शेयर किया और लिखा, डियर ऑल, ये जो प्रतिक्रिया मिल रही है, उससे मैं अभिभूत हूं। मैं आप सभी को शुक्रिया कहना चाहूंगी, खास तौर पर पूरे प्रेस और मीडिया को मुझसे जुड़ने के लिए। खुद एक महिला होने के नाते मेरा इरादा दूसरी महिलाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। वास्तव में, मैंने हमारे समर्थन में बार-बार खुद को खूब एक्सप्रेस किया है और यह एक महिला होने के नाते क्या है।मैं सराहना करने या आलोचना करने के लिए व्यक्तिगत रूप से मेरे पास पहूंचने के लिए आप सभी की आभारी हूं कि हम विचारों का अधिक खुला आदान-प्रदान कर पाएंगे। अपनी क्षमता के मुताबिक से न केवल महिलाओं के साथ, बल्कि पूरी मानव जाति के साथ सोचने, समर्थन करने और विचार साझा करने की कोशिश कर रही हूं।

मैंने इस घटना से बहुत कुछ सीखा है...

सोनाली कुलकर्णी आगे कहती हैं, यह तभी मजबूत होगा जब हम महिलाएं अपनी कमजोरियों और ज्ञान के साथ निष्पक्ष रूप में चमकें। अगर हम इनक्लूसिव और एम्पैथेटिक होंगे, तो हम स्वस्थ और खुशहाल जगह बनाने में सक्षम हो पाएंगे। यदि अनजाने में मेरी वजह से किसी को दर्द हुआ हो तो मैं अपने दिल की गहराई से माफी मांगना चाहती हूं। मैं सुर्खियों में नहीं आती और न ही मैं सनसनीखेज न्यूज का सेंटर बनना चाहती हूं। मैं एक आशावादी हूं और मेरा विश्वास है कि जीवन वास्तव में सुंदर है। आपके धैर्य और समर्थन के लिए धन्यवाद। मैंने इस घटना से बहुत कुछ सीखा है।

लड़कियां आलसी हैं...

गौरतलब है कि सोनाली ने कहा था,भारत में बहुत सारी लड़कियां आलसी हैं, उनको ऐसा बॉयफ्रेंड या पति चाहिए जिसके पास अच्छी नौकरी हो, जिसके पास घर हो... जिसको अशोरेंस हो कि इंक्रीमेंट मिलेगा। लेकिन उस लड़की में इतनी हिम्मत नहीं है कि वो कह पाए कि मैं क्या करूंगी जब तुम मुझसे शादी करोगे। मैं आप सभी से कहना चाहती हूं कि अपने घर में ऐसी स्त्रियों का निर्माण कीजिए, जो काबिल हों। जो अपने आप के लिए कमा पाएं.... जो कह पाएं कि हां हमें नया फ्रिज लेना है ना, आधे पैसे तुम दो आधे पैसे मैं दूंगी। मैं झगड़े की बात नहीं कर रही हूं, लेकिन उस में इतनी काबिलियत हो।

लड़कों पर होता है प्रेशर...

करीब 5 मिनट के वीडियो में सोनाली ने अपनी एक दोस्त का उदाहरण देते हुआ कहा कि उनकी दूर की एक दोस्त हैं.. वो शादी के लिए लड़का ढूंढ रही थी, तो उसने कहा कि उसे ऐसा लड़का चाहिए था जिसकी सैलरी 50 हज़ार से कम ना हो। अच्छा होगा कि वो अलग रहता है, किसको चाहिए सास-ससुर का झंझट। ये बात सुनकर सोनाली ने उससे कहा था कि तुम्हें आदमी चाहिए या मॉल के ऑफर्स। उन्होंने अपनी बात में आगे जोड़ा कि 18 साल की उम्र छूते ही लड़कों पर प्रेशर होता है कि मस्ती खत्म अब कमाना है.... फैमिली को सपोर्ट करना है, उन्होंने कहा कि उन्हें अपने पति, अपने भाइयों के लिए रोना आता है।

लड़कियों का डिमांडिग नेचर बढ़ रहा है...

सोनाली ने आगे बताया कि कैंपस सिलेक्शन के बाद उनके पति को 20 साल की उम्र में नौकरी करनी पड़ी थी। जबकि लड़कियां 25-27 साल की होने तक भी सोचती रहती हैं कि क्या करना है... वो अपने बॉयफ्रेंड पर प्रेशर बनाती रहती हैं। बातचीत में सोनाली ने शादी, डेस्टिनेशन वेडिंग्स तक का जिक्र किया। सोनाली ने ये भी कहा कि सभी महिलाएं ऐसी नहीं होती है,लेकिन लड़कियों का ये डिमांडिग नेचर काफी बढ़ता जा रहा है। अपनी बात में कहा कि लड़कियों को सिर्फ खाना नहीं बनाना चाहिए... बल्कि उससे आगे की ज़िम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

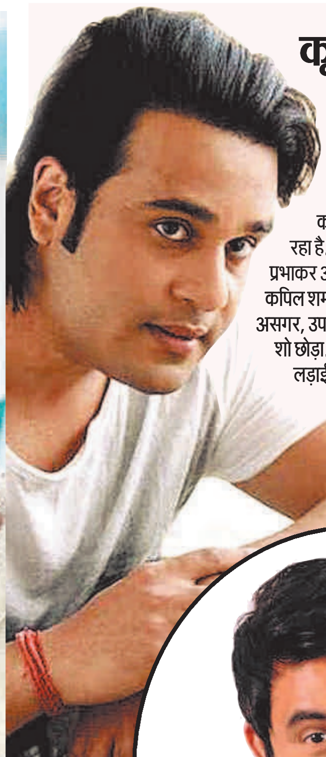

कृष्णा अभिषेक-चंदन प्रभाकर ने क्यों छोड़ा कपिल शो?

कॉमेडी किंग ने तोड़ी चुप्पी

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा की फिल्म 'ज्विगाटो' आज रिलीज हो गई है. फिल्म में कपिल की एक्टिंग की तारीफ हर कोई कर रहा है. कॉमेडियन ने मूवी का प्रमोशन करने में कोई कसर नहीं छोड़ी. इस बीच एक इंटरव्यू में उन्होंने कृष्णा अभिषेक, चंदन प्रभाकर और अली असगर के लोकप्रिय शो द कपिल शर्मा शो छोड़ने के बारे में बात की है. उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई. कपिल शर्मा शो दर्शकों को काफी पसन्द है. शो में इस बार कृष्णा अभिषेक नजर नहीं आए. जबकि शो को चंदन प्रभाकर, अली असगर, उपासना सिंह भी अलविदा कह चुके है. एक टीवी चैनल से इंटरव्यू में कपिल ने बताया कि किस वजह से उनके को-स्टार्स ने शो छोड़ा. उन्होंने कहा कि, इनसे पूछिए, ये ये क्यों नहीं रुके, मैं तो अपनी ही जगह पर हूं. मेरी सुनील (ग्रोवर) से लड़ाई हुई, ये सबको पता है. भारती सिंह को अगर आप इंस्टाग्राम पर देखते हैं तो हम साथ में बैठते है. भारती ने अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है. वह अपना काम खुद कर रही हैं और काफी बिजी है. कपिल शर्मा ने आगे बताया कि ऐसा नहीं है कि जो चले गए हैं, उनकी मुझसे लड़ाई हुई है. उपासना सिंह फिल्मों में शानदार काम कर रही है. कृष्णा एक अच्छा दोस्त है. इसलिए सुनील को छोड़कर बाकी सभी को आप एक ही कैटेगरी में नहीं रख सकते. कॉमेडी किंग ने ये भी कहा कि वो अब निर्माता नहीं है. अगर किसी को कांट्रैक्ट को लेकर कुछ इश्यू है और वो इसे छोड़ रहा है तो इसमें मेरा कोई रोल नहीं है. वो किसी आर्टिस्ट को उनसे उनकी फी कम करने के लिए कह सकते है.

कपिल को लगा तगड़ा झटका!

फेमस कॉमेडियन व एक्टर कपिल शर्मा की फिल्म ज्विगाटों 17 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। लेकिन रिलीज होते ही फिल्म को लेकर एक बूरी खबर सामने आई है। दरअसल, ज्विगाटों रिलीज के कुछ घंटो बाद ही ऑनलाइन लीक हो गई है। जो पहले से ही कई साइटों पर फ्री में डाउनलोड के लिए उपल्ब्ध है। जी हां, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पहले ही दिन फिल्म पायरेसी का शिकार हो गई है और मुफ्त में वीरुलज़, टेलीग्राम, तमिलरॉकर्स जैसी पायरेटेड साइटों पर डायउनलोड के लिए अवेलेबल है। फिल्मीजिला, तमिलरॉकर्स, टेलीग्राम और अन्य साइटों पर सर्च कर सकते हैं। फिल्म का पहले ही दिन यूं लीक होना मेकर्स के लिए बड़ा नुकसान साबित हो सकता है। जिससे इसकी कमाई पर काफी असर पड़ेगा। वैसे ही ओपनिंग डे पर फिल्म ज्यादा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। पहले ही दिन ज्विगाटों ने सिर्फ 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया है।

-इन फिल्मों से है ज्विगाटो की टक्कर

बता दें कि, कपिल शर्मा की ज्विगाटो के साथ ही रानी मुखर्जी की मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे रिलीज हुई है। जिससे भी इसकी कमाई पर असर पड़ा है। वहीं, रणबीर कपूर श्रद्धा कपूर स्टारर तू झूठी मैं मक्कार अभी तक थिएटर्स में जमी हुई हैं।

नंदिता दास ने ज्विगाटो के जरिए गंभीर मुद्दे पर लोगों का खींचा ध्यान

फिल्ममेकर-एक्ट्रेस नंदिता दास की नई फिल्म ज्विगाटो एक गिग वर्कर की मानवीय कहानी बताती है, जो टाइटैनिक फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के साथ काम करती है। नंदिता ने बताया कि बढ़ती बेरोजगारी और गिग वर्क की जटिलता के बारे में अपने प्रकाशक दोस्त समीर पाटिल के साथ चर्चा के दौरान फिल्म का विचार आया। फिल्म निर्माता ने कहा फिर हमने एक डिलीवरी राइडर के जीवन में एक दिन के बारे में एक शॉर्ट फिल्म लिखना शुरू किया। फिर अप्लॉज एंटरटेनमेंट के सीईओ समीर (नायर) ने मुझे एक फीचर फिल्म के लिए इसका विस्तार करने के लिए प्रेरित किया। मैंने इसकी गहराई से जाना शुरू किया, मैं मानवीय पहलुओं और श्रमिकों के जीवन के प्रति आकर्षित होती चली गई। नंदिता ने कहा गिग इकॉनमी के उदय के साथ, आदमी और मशीन के बीच का संघर्ष जिसे चैपलिन ने मॉडर्न टाइम्स में दर्शाया था, अब आदमी और एल्गोरिदम के बीच एक में स्थानांतरित हो गया है। ज्विगाटो जीवन की निरंतरता के बारे में एक कहानी है। फिल्म शुरू करने से पहले, मैं प्रोत्साहन और एल्गोरिदम की दुनिया को उतना ही समझती थी जितना कि मेरे नायक ने किया था! जैसे-जैसे मैं गहराई में जाती गई, मुझे गिग इकॉनमी के बारे में जो कुछ पता चलता गया, उससे मैं और अधिक परेशान होती गयी। हमने कई राइडर्स का इंटरव्यू लेकर तथ्यों के साथ-साथ व्यक्तिगत कहानियां भी इकट्ठी कीं। उनके संघर्षों, दुविधाओ और आकांक्षाओं ने मुझे उनकी दुनिया को करीब से समझने में मदद की। नंदिता और उनकी टीम ने फूड डिलीवरी कंपनियों के पूर्व कर्मचारियों से भी बात की और फूड डिलीवरी ऐप के एनालिटिक्स विभागों के वरिष्ठ प्रबंधकों से भी बात की। नंदिता ने कहा, इन वातार्लापों ने हमें ऐप और एल्गोरिदम में किए गए बदलावों और इस तरह के बदलावों के पीछे विचार प्रक्रिया को समझने में मदद की। जबकि यह सब फिल्म में नहीं है, यह समझना महत्वपूर्ण था कि गिग इकॉनमी में चीजें कैसे काम करती हैं। डिलीवरी जितनी दूर होती है, राइडर को उतना ही अधिक फ्यूल पर खर्च करना पड़ता है। उन्हें अपने क्षेत्र से बाहर जाने के लिए पेट्रोल शुल्क मिलता है, लेकिन लौटने के लिए नहीं, और यह केवल भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया में हर जगह है। इस तरह की मानवीय कहानी के लिए कपिल शर्मा के रूप में एक टीवी सुपरस्टार को चुनने के बारे में पूछे जाने पर, फिल्म निर्माता ने कहा कि यह निर्णय उनकी सहजता से प्रेरित था। कपिल को कास्ट करना कोई बहादुरी का काम नहीं था, मैंने उन्हें स्वाभाविक, बेहिचक और स्पष्टवादी पाया। मैंने उनका शो कभी नहीं देखा, लेकिन क्लिप में मैंने देखा कि वह मेरे किरदार मानस के लिए सही हैं। मैं उनसे मिलने पहुंची और फिल्म का ऑफर दिया, उन्होंने कहानी सुन तुरंत हां कर दी। उन्होंने कहा, एक फिल्म में कास्टिंग बेहद महत्वपूर्ण है। यदि पात्र विश्वसनीय हैं, तभी दर्शक विश्वास कर पाते हैं और किरदारों से जोड़ पाते हैं।

कार्तिक ने किया अपनी शादी का ऐलान

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन) ने अपनी शादी का ऐलान कर दिया है। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। ये वीडियो एक इवेंट का है, जहां कार्तिक काफी मजेदार अंदाज में अपनी शादी की बात करते दिख रहे हैं। कार्तिक कहते हैं कि बॉलीवुड में एक बाद एक सबके बैंड बज रहे हैं, सारे घोड़ी चढ़ रहे हैं, सबके विकेट गिट रहे हैं। लेकिन एक विकेट अब तक नहीं गिरा। कार्तिक आर्यन के इस वीडियो ने फैन्स को काफी एक्साइटिड कर दिया है। कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में कार्तिक आर्यन, जी सिने मंच के स्टेज पर ढोल-नगाड़ों के साथ एंट्री करते हैं और अपनी शादी का ऐलान करते हैं। कार्तिक कहते हैं, हंसते-हंसते, सबको नमस्ते। आप सब सोच रहे होंगे मैं यहां बैंड बाजा लेकर क्यों आया हूं।

भाभी जी घर पर हैं की अनीता भाभी के घर जल्द गूंजेगी किलकारी!

टीवी जगत से हाल ही में एक खुशखबरी सामने आई है। एक्ट्रेस विदिशा श्रीवास्तव के घर जल्द ही बच्चे की किलकारियां गूंजने वाली है। जी हां, विदिशा प्रेग्नेंट हैं और वह जून में अपने पहले बच्चे का स्वागत करेंगी। शादी की तरह ही उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर भी चुप्पी साधी हुई है। हालांकि, इस खुशखबरी के बाद उनके फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। विदिशा के शो के जुड़े एक सूत्र ने बताया, विदिशा छह महीने की प्रेग्नेंट हैं। लोग अभी तक इसका पता नहीं लगा पाए हैं, क्योंकि उनका बेबी बंप बहुत स्पष्ट नहीं है। डिलीवरी के बाद वह करीब तीन महीने का मैटरनिटी ब्रेक लेंगी। हम एपिसोड और उसके दृश्यों का एक बैंक पहले से तैयार रखेंगे ताकि ब्रेक शो को प्रभावित न करे। जब सौम्या टंडन (असली अनीता भाभी) चार महीने के मैटरनिटी ब्रेक पर गईं तो ठीक ऐसा ही हमने किया था। बता दें, विदिशा श्रीवास्तव एक्ट्रेस होने के साथ-साथ मॉडल भी हैं। उन्होंने साउथ मूवीज में भी काम किया है। कहत हनुमान जय श्री राम में देवी पार्वती का किरदार निभाकर वह काफी फेमस हुई थीं। उन्होंने साल 2005 में अभिमानी मूवी से तेलुगू इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। साल 2017 में ये हैं मोहब्बतें सीरियल से उन्होंने टीवी की दुनिया में कदम रखा। इन दिनों वो भाभी जी घर पर हैं टीवी सीरियल में अनीता विभूति नारायण मिश्रा का किरदार निभा रही है।

कमाल राशिद खान पर फिर लटकी गिरफ्तारी की तलवार!

कमाल राशिद खान उर्फ के आर के एक बार फिर सुर्खियों में बने हुए हैं। बॉलीवुड सितारों से पंगा लेना तो इनकी आदात सी बन गई हैं। इस बार उन्होने मनोज बाजपेयी से झगड़ा मोल लिया है, जिसकी अब इन्हे अच्छी भरपाई करनी पड़ेगी। जी हां, के आर के पर एक बार गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। इंदौर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने केआरके के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया है। दो साल पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर मनोज बाजपेयी को नशेड़ी बता दिया था। इस बयान से खफा मनोज बाजपेयी ने कमाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिस पर सुनवाई के दौरान अब कोर्ट ने सख्त कार्रवाई की है। याद दिला दें कि कमाल राशिद खान उर्फ केआरके ने 26 जुलाई 2021 को दो ट्वीट किए थे। इन ट्वीट में उन्होंने बॉलीवुड एक्टर मनोज बाजपेयी के लिए चरसी-गंजेड़ी जैसे शब्दों के इस्तेमाल किया था। एक्टर को केआरके की ये हरकत बिल्कुल भी रास नहीं आई और उन्होंने इस मामले में कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। मनोज वाजपेयी की इसी शिकायत पर अब इंदौर कोर्ट ने कड़े कदम उठाते हुए केआरके के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। दरअसल, साल 2021 में मनोज बाजपेयी की वेब सीरीज द फैमिली मैन 2 रिलीज हुई थी। इसे देखने के बाद केआरके ने एक्टर के लिए काफी भला बुरा कहा। उन्होंने कहा कि ये कैसा शख्स है जिसकी बेटी और पत्नी दोनों के ब्वॉयफ्रेंड हैं। साथ ही एक्टर को नशेड़ी और गंजेड़ी भी कहा था।

गोरखपुर में बाथरूम के शावर से लटकी मिली महिला

गोरखपुर में सोमवार को एक महिला की लाश बाथरूम के शावर में लटकी मिली। उसका शव तौलिया के सहारे लटका हुआ था। महिला 10 दिन पहले ऑस्ट्रेलिया से आरोग्य मंदिर में इलाज कराने आई थी। आशंका है कि उसने सुसाइड किया है। पुलिस ने मौके पर जांच पड़ताल की। परिजन बिना पोस्टमार्टम के शव नेपाल लेकर चले गए हैं। परिवार के लोगों ने बताया, लक्ष्मी भट्टराई पहले अपने बेटा-बहू के साथ ऑस्ट्रेलिया रहती थीं। वह स्पोर्ट्स की अच्छी खिलाड़ी थीं। 10 दिन पहले ही वह ऑस्ट्रेलिया से भैरहवा आईं और फिर वहां से इलाज कराने गोरखपुर आरोग्य मंदिर आ गईं। परिजनों ने बताया कि वह कुछ महीने से वह डिप्रेशन में चल रहीं थीं। ऐसे में यहां पहुंचने के

बाद उनका आरोग्य मंदिर में प्राकृतिक इलाज चल रहा था। सोमवार की सुबह लक्ष्मी पार्क में मॉर्निंग वॉक करने के बाद परिसर में ही बैठकर चाय-नाश्ता किया। उसके कुछ देर बाद वो अपने कमरे में चली गईं। करीब एक घंटे बाद किसी काम से परिवार के लोग कमरे में पहुंचे तो देखा कि बाथरूम का दरवाजा खुला हुआ है। जबकि, लक्ष्मी बाथरूम में ही शॉवर से लटकी हुई हैं। यह देख परिजन शोर मचाने लगे। मंदिर परिसर में मौजूद लोग भी वहां पहुंच गए। आनन-फानन में परिवार के लोगों ने शव नीचे उतारा और एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज ले गए। जहां, डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिर परिजन दोबारा शव लेकर आरोग्य मंदिर पहुंचे। जिसके बाद आरोग्य मंदिर के निदेशक विमल मोदी ने शाहपुर पुलिस सूचना दी। पुलिस पहुंची तो परिजन ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने लिखा- पढ़ी कर शव को परिजनों को सौंप दिया। नेपाली महिला के साथ आए परिजनों ने बताया कि नेपाल के कई लोग आरोग्य मंदिर में प्राकृतिक इलाज से ठीक हो गए हैं। उन्हीं लोगों के बताने पर महिला ऑस्ट्रेलिया से भैरहवा एयरपोर्ट आईं फिर सीधे गोरखपुर आरोग्य मंदिर में आकर इलाज करा रही थीं। महिला की दो बहने और भतीजा भी उनके साथ आए थे। सभी आरोग्य मंदिर के प्रथम तल पर कमरा नंबर 33 में रह रहे थे। इंस्पेक्टर शाहपुर मनोज कुमार पाण्डेय ने बताया कि महिला कुछ दिनों से डिप्रेशन में चल रही थी। इसी का इलाज चल रहा था। डिप्रेशन में ही उसने खुदकुशी की है। महिला के परिवार के लोग शव का पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते थे, इसलिए पंचनामा कराकर शव परिजनों को दे दिया गया है।

नाबालिग को दी यातना, प्राइवेट पार्ट में मिले लकड़ी के टुकड़े

प्रयागराज । 11 साल की एक बच्ची को गंभीर चोटों के साथ शहर के छावनी बोर्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों को न केवल उसके शरीर पर यातना के निशान मिले बल्कि उसके प्राइवेट पार्ट से लकड़ी के टुकड़े भी मिले। बच्ची को अस्पताल लाने वाली महिला का दावा है कि उसने नाबालिग को गोद लिया था। हालांकि, लड़की की चोटों के बारे में पूछे गए सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं देने पर पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी महिला ने डॉक्टर सिद्धार्थ पांडे को फोन किया और बताया कि 11 साल की बच्ची को भाई- बहन के झगड़े में मामूली चोटें आई हैं। अगली सुबह, वह लड़की के साथ अस्पताल गई और चोटों की प्रकृति को जानकर डॉक्टर हैरान रह गए। डॉ पांडे ने कहा, एक्स-रे में उसके शरीर पर कई पुरानी और नई चोटें सामने आईं, जिसमें उसके निजी अंग भी शामिल थे। इसके बाद, एक महिला स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा उसकी जांच की गई, जिसमें उसके निजी अंगों में लकड़ी के टुकड़े पाए गए। लड़की के हाथ में फ्रैक्क र भी थे। चोटों को देखते हुए हमने पुलिस को सूचित किया। आरोपी महिला शहर के धूमनगंज इलाके के एक अपार्टमेंट की रहने वाली है और उसका पति एक नामी स्कूल में शिक्षक है। महिला ने दावा किया कि उसने कानपुर के एक आश्रय गृह से लड़की को गोद लिया था, लेकिन लड़की ने कहा है कि उसकी मां की मृत्यु और उसके पिता द्वारा परित्याग के बाद आरोपी उसे घर ले गई थी। बच्ची ने यह भी खुलासा किया कि उसे नियमित रूप से भूखा रखा जाता था और एक महीने में 14 दिनों से अधिक समय तक भोजन नहीं दिया जाता था। धूमनगंज थाने के एसएचओ राजेश मौर्य ने कहा कि आरोपी महिला को हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, पूछताछ के निष्कर्षों के आधार पर हम आगे की कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि घायल लड़की का छावनी बोर्ड अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मध्या् भोजन में बाजरा शामिल करेगा यूपीः मंत्री

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा है कि अब स्कूलों में मध्या भोजन कार्यक्रम में बाजरा को शामिल किया जाएगा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से लोगों को भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बाजरे की खेती, उत्पादन और खपत को बढ़ावा देने के साथ-साथ इसके माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा, मध्या भोजन में बाजरे को शामिल करके हम बच्चों को दिए जा रहे पोषण को बढ़ाना चाहते हैं और बाजरा के लिए उनके स्वाद विकसित करने में भी मदद करना चाहते हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार मृदा स्वास्थ्य और लोगों की बेहतरी के लिए भी काम कर रही है। शाही ने कहा, उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है और क्षेत्रफल की दृष्टि से चौथा सबसे बड़ा राज्य है और राज्य की भूमि मोटे अनाज की खेती के लिए उपयुक्त और अनुकूल है। वर्तमान में यूपी में 12 लाख हेक्टेयर भूमि मोटे अनाज की खेती के अधीन है जो इन अनाजों का 19 लाख मीट्रिक टन उत्पादन करती है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार श्री अन्ना कायाकल्प कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में बाजरा के प्रचार-प्रसार के लिए बाजरा भोज का आयोजन किया जा रहा है। अगले जायद सीजन (गर्मी के मौसम) में, सरकार ज्वार और बाजरा के बीज के लिए किसानों को (50 प्रतिशत अनुदान पर) 20 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्रदान करेगी। राज्य में 89 कृषि विज्ञान केंद्र और पांच कृषि विश्वविद्यालय मोटे अनाज के संबंध में किसानों को अनुसंधान और शिक्षा मुहैया कराने में लगे हैं। राज्य सरकार किसानों से एमएसपी पर मोटे अनाज की खरीद के लिए विशेष खरीद केंद्र भी खोलेगी। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारत के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित किया है।

योगी ने किये अयोध्या मे रामलला के दर्शन और की पूजा अर्चना

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदत्यिनाथ आज अयोध्या पहुंचे। राम कथा पार्क हेली पैड पर मुख्यमंत्री का हेलीकाप्टर उतरा। यहां मुख्यमंत्री को हेलीपैड पर सलामी दी गई। मुख्यमंत्री के स्वागत में जिले के वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। रामकथा पार्क से सीएम योगी सीधे हनुमानगढ़ी के लिए रवाना हुए।

निगार वेलफेयर सोसायटी की ओर से 7वा वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

धामपुर। नगर की सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था निगार वेलफेयर सोसाइटी की ओर से 7वां वार्षिकोत्सव "अपना स्टाइल अपना अंदाज" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न स्थानों से आई प्रतिभाओं ने अपनी कला का प्रदर्शन कर भरपूर प्रशंसा अर्जित की। इस दौरान चार वर्षीय बालिका अलीजा रहमान ने अपने नृत्य से कार्यक्रम में समा बांध दिया। संस्था की ओर से सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। नहटौर मार्ग स्थित सुमंगलम फार्म हाउस आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार सतवंत सिंह सलूजा, नगर अध्यक्ष एसपी सलूजा, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ आदित्य अग्रवाल, दिनेशचंद्र अग्रवाल नवीन, डॉ अनिल शर्मा अनिल, खंड विकास अधिकारी अखिलेश कुमार, साहित्यिक संस्था हंगामा के संस्थापक डॉ जितेंद्र कौशिक एवं निर्मला

कौशिक, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सुगम जैन आदि ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इसके अपना स्टाइल अपना अंदाज कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से पहुंची प्रतिभाओं ने जहां अपनी गायन एवं नृत्य कला से उपस्थित दर्शक समूह को अचंभित कर दिया, वही पुरुषों एवं महिलाओं को तालियों की गड़गड़ाहट के बीच प्रत्येक प्रतिभा को प्रोत्साहन किया। गायन, नृत्य, मॉडलिंग एवं कैटवॉक के निर्णायक मंडल में शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित योगदान देने वाली समाजसेवी शमा परवीन, शाजिया सिद्दीकी, सलमा हुसैन, नीति वशिष्ठ, गौरव चंद्रा आदि शामिल रहे। नृत्य प्रतियोगिता में अमन प्रथम, आयुष सिंह द्वितीय, सूर्या हुड्डा तृतीय स्थान पर रहे। बेस्ट प्राइस बेस्ट अवार्ड रिया को दिया गया। मॉडलिंग में फर्स्ट अवार्ड शिफा अनवर को मिला। जबकि मोहम्मद आहिल द्वितीय और बरीरा निगार तृतीय स्थान पर रहे। ब्राइडल शो में मन्नत मुरादाबाद प्रथम, तरन्नुम द्वितीय और गुलफसा रुखसार को तृतीय स्थान पर रही। जबकि बेस्ट मैकअप अवार्ड रोज ब्यूटी मेकअप स्टूडियो कोतवाली जजमेंट साजिया सिद्दीकी, सरिता विश्नोई, सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट को दिया गया।

मोहन भागवत के कार्यक्रम में मंत्री के सामने रोई महिला

मेरठ में रविवार को मोहन भागवत के कार्यक्रम में एक महिला रोते हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के पास पहुंची। महिला ने कहा, "मेरे पति फ्ऱर कार्यकर्ता थे। पुलिस कस्टडी में उनकी हत्या कर दी गई। इसमें विधायक का हाथ भी है। कोई सुनवाई नहीं हो रही है।" मंत्री ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन देकर महिला को शांत कराया। इसके बाद महिला घर लौट गई। मोहन भागवत भारतीय किसान संघ की राष्ट्रीय स्तर की कृषि प्रदर्शनी में शामिल होने आए थे। महिला का नाम अंजना चौहान है। वह हाथरस के विसाना की रहने वाली है। रविवार को मोहन भागवत जंबूद्वीप में चल रहे कृषि संगम में किसानों को संबोधित कर रहे थे। मोहन भागवत भाषण खत्म कर मंच से उतरकर हॉल से बाहर निकले तभी, एक महिला रोते हुए वहां पहुंच गई। वह कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के सामने रोने लगी। महिला ने कहा, "मेरे पति राजकुमार सिंह चौहान 25 सालों तक संघ के कार्यकर्ता रहे। हाथरस में वो खंड संयोजक के दायित्व पर थे।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान शाही ईदगाह में आज सुनवाई

श्रीकृष्ण जन्मस्थान शाही ईदगाह सर्वे पर सोमवार दोपहर 3 बजे सुनवाई होनी है। ये वाद श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने मथुरा कोर्ट में दाखिल किया था। सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट आज फैसला दे सकती है कि ये केस सुनने योग्य है या नहीं। शाही ईदगाह का सर्वे कराए जाने के लिए निचली अदालत द्वारा इस वाद में पहले मुस्लिम पक्ष द्वारा केस के मेंटेबल और नॉन मेंटेबल को लेकर दाखिल प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के लिए कहा था। इसके बाद वादी ने जिला जज की कोर्ट में रिवीजन वाद दाखिल किया। 15 मार्च को कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई। जिसके बाद कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाने के लिए 20 मार्च की तारीख मुकर्रर कर दी थी। शाही ईदगाह के सचिव और वकील तनवीर अहमद ने बताया कि वादी पक्ष लगातार अलग-अलग प्रार्थना पत्र देकर सुनवाई को टाल रहा है। निचली अदालत ने जब तय कर दिया कि 25 जुलाई 2022 से इस मामले की डे टू डे सुनवाई होगी कोई भी पक्ष स्थगन प्रार्थना पत्र नहीं देगा इसके बावजूद पहले दिन ही वादी पक्ष ने इसमें स्थगन प्रार्थना पत्र दिया। मुस्लिम पक्ष का कहना है कि पहले केस सुनने योग्य है या नहीं, इसकी सुनवाई हो। अदालत में दायर किए गए वाद में वादी वकील महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड हमेशा इस मामले को टालने की कोशिश में रहता है। लास्ट मिनट में वह आते हैं ,रिपिट बातों को कहते हैं। इस मामले में कोर्ट ने पार्ट हर्ट ऑर्डर कर दिया है। इसमें सोमवार को कोर्ट ऑर्डर देगी।

हफ्ते में रोज अलग रंग के वस्त्र पहनते हैं श्रीराम

भगवान श्रीराम को दिन के हिसाब से रोज अलग-अलग रंग के वस्त्र पहनाए जाते हैं। यही नहीं, वस्त्र के रंग से मिलती-जुलती अन्य साज-सज्जा भी की जाती है। भगवान की सेवा शिशु के रूप में होती है। उनकी सेवा के लिए एक प्रधान पुजारी और चार सहायक पुजारी नियुक्त किए गए हैं। यह जानकारी सहायक पुजारी संतोष कुमार तिवारी ने दी। उन्होंने बताया, "श्रद्धालुओं की संख्या देखते हुए रामलला के जलपान के लिए सुबह रबड़ी का प्रसाद दिया जाता है। अभी तक हर दिन एक किलो रबड़ी चढ़ाई जाती थी। लेकिन, अब इसे बढ़ाकर राम मंदिर ट्रस्ट ने 3 किलो कर दिया है। पुजारी संतोष कुमार तिवारी ने बताया, "भगवान रामलला को सोमवार को सफेद, मंगलवार को लाल, बुधवार को हरा, गुरुवार को पीला, शुक्रवार को क्रीम, शनिवार को नीला और रविवार को गुलाबी वस्त्र धारण कराए जाते हैं। उन्हें भोग में रोटी, चावल, दाल, सब्जी, अचार, पूड़ी, खीर, मालपुआ, पकौड़ी का भोग लगाया जाता है। इसके अलावा

जलपान के लिए रबड़ी और खुरचन का प्रसिद्ध पेड़ा आता है। समय विशेष पर अनेक प्रकार के व्यंजनों से रामलला को भोग लगाया जाता है। रामलला की पुष्प सेवा के लिए माली, भोजन की व्यवस्था के लिए भंडारी भी नियुक्त हैं। इतना ही नहीं, रामलला की सुरक्षा के लिए खास तौर पर गार्ड की तैनाती है। रामलला के दर्शन के लिए रोज करीब 20 हजार भक्त आते हैं। खास त्योहारों पर ये संख्या 1 लाख पार कर जाती है। दर्शन का समय सुबह 7 बजे से 11:30 बजे तक है। इसके बाद भोग और आरती कर 12 बजे मंदिर के कपाट कर दिए जाते हैं। दूसरी पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक दर्शन होता है। इसके बाद शाम 7:30 बजे संध्या और 8:30 बजे शयन आरती होती है। फिर भगवान आराम करते हैं और मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं। मौसम के अनुसार प्रभु श्रीराम की सुरक्षा की जाती है। गर्मी में अउ और ठंडी में गर्म हवा के लिए ब्लोअर से उनकी सेवा की जाती है। गुनगुने जल से भगवान को स्नान भी कराया जाता है। इस समय रामलला की सेवा का पूरा प्रबंध श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट करता है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्र अयोध्या में रहने पर रोज खुद जाकर मंदिर की व्यवस्था और निर्माण आदि के काम देखते हैं। रामलला के लिए भव्य मंदिर बनकर तैयार हो रहा है। इसके गर्भगृह का निर्माण तेजी से चल रहा है।

संक्षिप्त

अपने खानदान के पतन से अवसाद में हैं राहुल गांधी : नकवी ने लगाया आरोप

रामपुर । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता पूर्व केन्द्रीयमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि वह अपने खानदान के सियासी पतन से अवसाद में हैं और वह मानते हैं कि प्रजातंत्र ह्यपरिवार तंत्रह्व का ही गुलाम रहना चाहिये। नकवी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने दुनिया के सबसे ताकतवर देशों के संगठन जी-20 की अध्यक्षता कर रहे भारत की संसद को विदेशी सरजमीन पर अपमानित किया है। नकवी ने कहा कि उन्हें पूरे देश से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिये। राहुल पर अवसादग्रस्त होने का आरोप लगाते हुए नकवी ने कहा, ह्यह्यआज डायनेस्टी (वंश) के डिमोलिश (खत्म) होने से उनमें (राहुल) डिप्रेशन (अवसाद) आ गया है। जो पतन हो रहा है, वह उसी से परेशान हैं। उनका मानना है कि प्रजातंत्र परिवार तंत्र का ही गुलाम रहना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, ह्यह्यराहुल विपक्ष का चौधरी बनने की कोशिश में सारी मयार्दा भूल गए हैं। यह भी समझ में नहीं आ रहा है कि 2024 हो या उसके बाद आने वाले दिन हों, देश की तकदीर और तस्वीर अब यह परिवार तंत्र नहीं बल्कि प्रजातंत्र ही तय करेगा। राहुल पर सीनाजोरी का आरोप लगाते हुए नकवी ने कहा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी विदेश जाकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत को और भारतीय संसद को अपमानित करते हैं, उसके खिलाफ दुष्प्रचार करने का काम करते हैं। उसके बाद सीनाजोरी करते हुए कहते हैं कि हमने जो कहा, वह सही कहा। जब तक यह सामंती गुरूर रहेगा, तब तक उनका यही हाल रहेगा। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने हाल ही में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में अपने एक व्याख्यान में कहा था कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है। विपक्षी नेताओं पर मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। ऐसे मामलों में मुकदमा पंजीकृत किए गए हैं जो बनते ही नहीं हैं। मीडिया और न्यायपालिका पर कब्जा हो गया है।

शाहजहांपुर में दवा खाने के बाद युवक की मौत, चिकित्सक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

शाहजहांपुर शाहजहांपुर जिले में एक तथाकथित डाक्टर द्वारा दी गई दवा खाने से एक युवक की मौत का मामला सामने आया है। ग्रामीणों और परिजनों ने रविवार को बरेली-इटावा मार्ग पर युवक के शव को रखकर जाम लगा दिया जिसके बाद चिकित्सक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस ने यह जानकारी दी। जलालाबाद के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अजय राय ने रविवार को बताया कि कस्बा अल्लाहगंज में रहने वाले अजय (19) की तबीयत शुक्रवार को खराब हुई जिसके बाद उसने कस्बे के ही चिकित्सक पृथ्वीराज से दवा ली। उन्होंने बताया कि दवा खाने के बाद अजय की मौत हो गई। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शनिवार को युवक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। उन्होंने बताया कि रविवार को बरेली-इटावा मार्ग पर थाने के सामने सड़क पर परिजनों ने सैकड़ों लोगों के साथ शव को रखकर जाम लगा दिया जिससे मार्ग अवरुद्ध होने के साथ ही दोनों ओर कई किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मृतक के परिजनों की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिजली कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त; आंदोलनकारियों के खिलाफ हुई कार्रवाई वापस होगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली कर्मचारियों ने सरकार के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद रविवार को अपनी हड़ताल वापस ले ली। वहीं, प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने हड़ताल का आह्वान करने वाली कर्मचारियों की समिति को आश्वासन दिया कि हड़ताल के दौरान कर्मचारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई को वापस लिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि उन्होंने इस बाबत यूपीपीसीएल के चेयरमैन को निर्देश दे दिया है। गौरतलब है कि बिजली कंपनियों में चेयरमैन और प्रबंध निदेशक के चयन तथा कुछ अन्य मुद्दों को लेकर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर बिजली विभाग के कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार रात 10 बजे से तीन दिन (72 घंटे) की हड़ताल शुरू की थी। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने आज विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे व अन्य कर्मचारी नेताओं के साथ अपरान्ह 2:30 बजे से जल निगम के फील्ड हॉस्टल ह्यसंगमह्व में वार्ता शुरू की। वार्ता के बाद शैलेन्द्र दुबे ने एक दिन पहले ही सांकेतिक हड़ताल समाप्त करने की घोषणा की। दुबे ने पत्रकारों से कहा, ह्यह्यविद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति और ऊर्जा मंत्री के बीच लगातार वार्ता हो रही है। तीन दिसंबर के समझौते, अन्य मांगों और बिजली कर्मियों की समस्याओं के संदर्भ में ऊर्जा मंत्री ने बहुत ही सकारात्मक ढंग से उन सभी समस्याओं का समाधान करने को कहा है। उन्होंने कहा, ह्वमुख्यमंत्री की अपील की सम्मान और स्वागत करते हुए, ऊर्जा मंत्री के साथ सकारात्मक वार्ता का सम्मान करते हुए और माननीय उच्च न्यायालय का सम्मान करते हुए 72 घंटे की जो सांकेतिक हड़ताल चल रही है, उसको (निर्धारित अवधि से पहले) व्यापक जनहित में आज वापस लेने की घोषणा करता हूं। वहीं ऊर्जा मंत्री शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश की जनता, मुख्यमंत्री और अपनी ओर से समिति के नेताओं को हड़ताल समाप्त करने के लिए धन्यवाद दिया। शर्मा ने कहा, ह्यह्यमैं एक बार फिर विद्युत कर्मचारियों के संगठनों, संघर्ष समिति को आंदोलन खत्म करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।ह्व उन्होंने कहा, मैं उनसे निवेदन करता हूं कि अपने कर्मचारी मित्रों को तुरंत निर्देशित करें कि वे अपने-अपने काम पर लौटें, विशेष रूप से जिन जगहों पर विद्युत आपूर्ति बाधित है

अमेठी कलेक्ट्रेट में तैनात सिपाही ने गोलीबारी की, एसपी ने जांच के आदेश दिये

अमेठी । अमेठी कलेक्ट्रेट में निर्वाचन कार्यालय में ड्यूटी पर तैनात सिपाही मुकेश कुमार द्वारा रविवार को कथित तौर पर अधिवक्ताओं के चैंबर की तरफ सरकारी राइफल से तीन चक्र गोली चलाने का मामला सामने आया है। पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच के आदेश दिये हैं। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि अभी दो दिन पहले ही सिपाही मुकेश अवकाश से वापस आयाथा और रविवार दोपहर बाद उसने सरकारी राइफल से अधिवक्ताओं के चैम्बर की तरफ तीन राउंड फायरिंग की। उन्होंने बताया कि छुट्टी की वजह से बड़ी घटना टल गई। उन्होंने बताया कि सिपाही मुकेश कुमार की अमेठी कलेक्ट्रेट के निर्वाचन भवन में तैनाती थी। अमेठी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) इलामारन ने बताया कि मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और जांच रिपोर्ट आने के बाद सिपाही मुकेश के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने बताया कि इस फायरिंग में कोई घायल नहीं हुआ है।

गौ आधारित खेती अपनाएं किसान : मोहन भागवत

मेरठ,। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि किसानों को अपनी परेशानी कम करने के लिए खेती की लागत को घटाना होगा। ऐसा केवल गौ आधारित खेती से ही संभव है। गौ आधारित जैविक खेती से ही विषरहित खाद्य पदार्थ और विषमुक्त पर्यावरण मिलेगा। उन्होंने देशभर के किसानों से गौ आधारित जैविक खेती को अपनाने का आह्वान किया। हस्तिनापुर में भारतीय किसान संघ के तीन दिवसीय गौ आधारित जैविक कृषि कृषक महासम्मेलन का रविवार को समापन हो गया।

भारतीय टीम को पहले भी पांच बार दस विकेट से मिली थी करारी हार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में दस विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। यह पहली बार नहीं है जब भारतीय टीम की इतनी करारी हार हुई है। इससे पहले भी भारतीय टीम को पांच बार दस विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम 26 ओवरों में ही पेवेलियन लौट गयी थी। वहीं इसके बाद ऑस्ट्रेलिकयाई टीम ने 11 ओवरों में ही तय लक्ष्य हासिल कर लिया था। इससे पहले भारतीय टीम को गेंदों के लिहाज से भारत को सबसे बड़ी हार न्यूजीलैंड के खिलाफ हैमिलटन में 2019 में झेलनी पड़ी थी। तब न्यूजीलैंड टीम ने 212 गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया था। इस तरह से भारतीय टीम छठी बार एकदिवसीय में 10 विकेट से हारी है। यह दूसरी बार है जब ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामन भारतीय बल्लेबाजी बेबस नजर आये। भारतीय टीम की इस हार में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज मिचेल स्टार्क का की अहम भूमिका रही। स्टार्क ने इस मैच में पांच विकेट लिए।

भारतीय टीम को इससे पहले 10 जनवरी 1981 में मेलबर्न के मैदान पर न्यूजीलैंड ने दस विकेट से हराया था। भारतीय टीम की दूसरी बड़ी हार 3 मई 1997 को ब्रिजटाउन में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई थी। इसके बाद टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शारजाह में 22 मार्च 2000 को बड़ी हार मिली थी। दक्षिण अफ्रीका से ही उसके चौथी बड़ी हार 25 नवंबर 2005 को ईडन गार्डंस में मिली थी। इसके बाद पांचवीं बड़ी हार 14 जनवरी 2020 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में मिली थी। अब तक न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज ने भारतीय टीम को एक-एक जबकि ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड ने दो-दो बार दस विकेट से हराया है।

अलकाराज ने मेदवेदेव को हराकर परीबस ओपन जीता

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। स्पेन के कार्लोस अलकाराज ने बीएनपी परीबस ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। अल्कराज ने खिताबी मुकाबले में रुस के दानिल मेदवेदेव को 6-3, 6-2 से हराया। इसी के साथ ही वह रैंकिंग में एक बार फिर नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। एटीपी टूर की रैकिंग में वह दूसरे से पहले स्थान पर पहुंच गये हैं जबकि सर्बिया के नोवाक जोकोविच दूसरे स्थान पर फिसल गये हैं।

जोकोविच कोरोना टीकाकरण नहीं होने के कारण इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पाये। वहीं महिल एकल में कजाकिसा्नि की एलेना रिबाकिना ने बेलरुस की एरिना सबालेंका को 7-6, 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम किया। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी सबालेंका की यह इस साल में दूसरी हार थी।

उमरान अपनी रफ्तार का लाभ उठाएं, बल्लेबाजों में डर पैदा करें : ईशांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने कहा है कि उमरान मलिक को अपनी रफ्तार से फायदा उठाते हुए विरोधी बल्लेबाजों को आंख बंद करने पर मजबूर कर देना चाहिये। वहीं अगर उमरान ऐसा नहीं कर पाते है तो ऐसे गति किस काम की है।

ईशांत ने कहा कि उस मानसिकता को उमरान में डालने की जरूरत है जिससे वह निडर होकर गेंदबाजी कर सकें। उन्हें उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन को उमरान को अपनी गति का अपने हिसाब से इस्तेमाल करने और उनपर भरोसा करने की आजादी देनी चाहिये। इस बात की चिंता नहीं होनी चाहिए कि उनकी गेंदों पर कितने रन बन रहे हैं। ईशांत ने कहा कि उमरान को बताया जाना चाहिए कि उन्हें बल्लेबाजों में डर पैदा करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, उन्हें इस बात की चिंता नहीं करनी चाहिए कि कहां गेंद डाल रहे हैं। लगातार गेंदबाजी के बाद उनकी लाइन व लेंथ आ जाएगी। अभी सबसे जरूरी चीज है कि वह तेजी से गेंदबाजी करें। अगर वह 150 से 160 की गति से भी गेंदबाजी कर सकते हैं तो करें। इससे प्रभाव नहीं पड़ा है कि कितने रन बन रहे हैं। उनका काम रन रोकना नहीं विकेट लेना है। जब तक दो बल्लेबाज तेजी से आती गेंद को देखकर आंख नहीं बंद कर लेते हैं तब तक स्पीड से कोई लाभ नहीं है। वहीं अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा कि उमरान को आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम में लिया जाना चाहिए। उन्हें यह सीखने की जरूरत है कि पुरानी और नई गेंद से कैसे गेंदबाजी की जाए। भारतीय टीम के पास अभी उनके जितनी तेज रफ्तार वाला दूसरा गेंदबाज नहीं है।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को रौंदा, 2-0 से किया टेस्ट सीरीज पर कब्जा

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को दो दिन में दूसरी बार ऑलआउट करते हुए सोमवार को दूसरा टेस्ट 58 रन से जीतकर दो मैचों की सीरीज क्लीन स्वीप कर ली। पहली पारी में 580 रन बनाने वाले न्यूज़ीलैंड ने श्रीलंका को 164 रन पर ऑलआउट कर दिया था। फॉलो ऑन करते हुए मेहमान टीम शानदार धैर्य और तकनीक का प्रदर्शन करने के बावजूद चौथे दिन 358 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका ने दिन की शुरुआत 113/2 के स्कोर से की। मेहमान टीम के पास चौथे दिन बल्लेबाजी करके मैच बचाने का मौका था, जबकि पांचवें दिन भारी बारिश के आसार थे।

कुसल मेंडिस (106 गेंद, 50 रन) और एंजलो मैथ्यूज़ (44 गेंद, 02 रन) दिन की शुरुआत में ही आउट हो गये, लेकिन दिनेश चांदीमल और धनन्जय डी सिल्वा की जोड़ी ने श्रीलंकाई पारी को संभाल लिया। चांदीमल और डी सिल्वा के बीच पांचवें विकेट के लिये 126 रन की साझेदारी हुई। चांदीमल 92 गेंद पर आठ चौकों की मदद से 62 रन बनाकर ब्लेयर टिकनर का शिकार हो गये, लेकिन डी सिल्वा क्रीज़ पर टिके रहे। उन्होंने अपना अर्द्धशतक पूरा करते हुए विकेटकीपर निशन मदुशंका (39) के साथ 76 रन की साझेदारी की। श्रीलंका मज़बूती के साथ दिन का समापन कर सकता था, लेकिन न्यूजीलैंड ने चाय से पहले और बाद में एक-एक विकेट चटकाकर मैच में वापसी कर ली।

टिकनर ने दूसरा सत्र समाप्त होने से ठीक पहले मदुशंका को आउट करके छठे विकेट की साझेदारी को तोड़ा, जबकि तीसरे सत्र की शुरुआत में डी सिल्वा शतक से दो रन दूर माइकल ब्रेसवेल का शिकार हो गये। डी सिल्वा ने 185 गेंद पर 12 चौकों और एक छक्के के साथ 98 रन बनाये। उनका विकेट गिरने के बाद श्रीलंका के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने मैच को ड्रॉ करवाने के लिये कई गेंदें खेलीं, लेकिन उनका प्रयास असफल रहा। प्रभात जयसूर्या करीब एक घंटे तक पिच पर समय बिताने के बाद 45 गेंद पर दो रन बनाकर आउट हो गये। न्यूजीलैंड जब जीत से सिर्फ दो विकेट दूर थी, तब कसुन रजिता और लाहिरू कुमारा ने आपस में करीब 16 ओवर खेलकर मेज़बान टीम को थकाने का काम किया। कीवी टीम ने रजिता (20) को आउट करने के लिये दो रिव्यू भी बर्बाद किये। आखिरकार उनकी 110 गेंद की पारी का अंत तब हुआ जब वह टिम साउदी की गेंद पर विलियम्सन को स्लिप में कैच दे बैठे। साउदी इससे पहले लाहिरू (45 गेंद, सात रन) को स्लिप में कैच आउट करवा चुके थे।

साक्षी महिला विश्व मुक्केबाजी के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली । भारत की साक्षी (52 किलो) ने कजाखस्तान की जजीरा उराबायेवा को 5.0 से हराकर सोमवार को महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। एशियाई चैम्पियनशिप 2021 की कांस्य पदक विजेता साक्षी ने अपने कद का पूरा फायदा उठाते हुए विरोधी मुक्केबाज पर जमकर मुक्के बरसाए। उसने उसे जवाबी हमले का मौका नहीं दिया। उसने जीत के बाद कहा, 'मैने उम्मीद से बेहतर खेला। वह अच्छी मुक्केबाज है और मुझे लगा कि करीबी मुकाबला होगा लेकिन मैं हावी रही।' दिन में प्रीति (54 किलो) अंतिम 16 का मुकाबला खेलेगी और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन 75 किलो के प्री क्वार्टर फाइनल में मेक्सिको की वेनेसा ओर्तिज से खेलेगी।

इतनी जल्दी कोई एकदिवसीय मैच समाप्त नहीं होता : स्मिथ

मुम्बई । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कार्यवाक कप्तान स्टीव स्मिथ ने दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम की करारी हार पर तंज कसते हुए कहा कि इतनी जल्दी भी कोई मैच नहीं समाप्त होता। यह मैच केवल 37 ओवरों में ही समाप्त हो गया था। इस मैच में भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 26 ओवरों में ही आउट हो गयी थी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 11 ओवरों में ही लक्ष्य हासिल कर लिया था। इस मैच में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के सामने टिक नहीं पायी थी। स्मिथ ने कहा, यह एक बहुत तेज मैच था। आमतौर पर 37 ओवर में कोई भी एकदिवसीय मैच खत्म नहीं होता है। नई गेंद से स्टार्क ने काफी अच्छी गेंदबाजी की। मुझे नहीं पता था कि विकेट ऐसा खेलने जा रहा है। मैंने अपने दिमाग में कोई लक्ष्य भी तय नहीं किया था। इस मैच में हम अपनी योजनाओं को अच्छी तरह से मैदान पर लागू कर पाए और सभी चीज़ें हमारे पक्ष में गईं। यह हमारा दिन था। इसके बाद मार्श और हेड ने हमें अच्छी शुरुआत दी जिससे भारतीय टीम को मैच में वापसी को कोई अवसर नहीं मिला। इस मैच में भारतीय टीम हर क्षेत्र में पीछे रही। पहले भारतीय बल्लेबाज रन नहीं बना पाये। इसके बाद गेंदबाज कोई विकेट नहीं ले पाये जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बड़े आराम से मैच जीत लिया।

धोनी का यह अंतिम आईपीएल नहीं , आगे भी खेलेंगे: दीपक चाहर

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र के लिए अभी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी टीम के साथ अभ्यास में लगे हुए हैं। माना जा रहा है कि यह धोनी का अंतिम आईपीएल होगा। वहीं टीम के खिलाड़ियों ने उनके अभी संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया है। सीएसके के पूर्व और वर्तमान दोनों ही खिलाड़ियों का मानना है कि अभी धोनी आगे भी खेलेंगे। हाल में सुरेश रैना ने कहा था कि धोनी अगले आईपीएल के लिए भी फिट हैं। वहीं अब तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने भी कहा है कि यह धोनी का अंतिम आईपीएल नहीं है वह अभी आगे भी खेलते रहेंगे।

चाहर ने कहा कि अभी तक किसी ने नहीं कहा कि यह धोनी का अंतिम आईपीएल सत्र रहेगा। चाहर ने यह भी कहा कि स्वयं धोनी ने भी ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है। चाहर ने कहा, किसी ने नहीं कहा कि यह उनका आखिरी सत्र होगा। कम से कम, यह उनका आखिरी सीजन नहीं है। उम्मीद है कि वह और भी आगे तक खेलेंगे। हम ऐसी कोई बात नहीं जानते, हम चाहते हैं कि वह जितना खेल सके, खेलें। उन्होंने कहा, वह जानते हैं कि कब संन्यास लेना है, हमने यह तब देखा जब उन्होंने टेस्ट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अचानक ही अपने संन्यास की घोषणा कर दी थी। कोई और नहीं जानता। मुझे उम्मीद है कि वह खेलना जारी रखेंगे, उनके नेतृत्व में खेलना सौभाग्य की बात है। उसके साथ खेलना एक सपना रहा है। वह अच्छी लय में भी है, आप आईपीएल में उनकी बल्लेबाजी में इस बात को देख सकेंगे। वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर शेन वॉटसन ने कहा था कि धोनी अगले 3-4 साल तक आईपीएल खेलने के लिए काफी फिट हैं। उन्होंने कहा कि सीएसके के कप्तान के पास अभी भी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कौशल है। उन्होंने यह भी कहा कि धोनी एक कारण है कि सीएसके एक सफल फ्रेंचाइजी है।

मैनचेस्टर युनाइटेड एफए सेमीफाइनल में , आर्सनल को ईपीएल में बढत

मैनचेस्टर। फुल्हम 'एफए कप फुटबॉल' में मैनचेस्टर युनाइटेड के खिलाफ बड़े उलटफेर की ओर बढ रही थी लेकिन दूसरे हाफ में सात मिनट के भीतर उसे नौ खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, उसके मैनेजर को बाहर किया गया और उसने दो गोल गंवा दिये। युनाइटेड ने 3 . 1 से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बना ली। उसका सामना फाइनल में मैनचेस्टर सिटी से हो सकता है क्योंकि दोनों को अलग अलग सेमीफाइनल खेलने हैं। दूसरी ओर एफए कप से बाहर हुई आर्सनल की नजरें अब 19 साल में पहले प्रीमियर लीग खिताब पर लगी हैं। उसने क्रिस्टल पैलेस को 4 . 1 से हराकर अपनी बढत पुख्ता कर ली। उसने लीग में लगातार छह मैच जीते हैं हालांकि अभी उसका सामना मैनचेस्टर सिटी और लिवरपूल से होना बाकी है।

यूपी ने रोमांचक मुकाबले में गुजरात को 3 विकेट से हराया

मुम्बई (एजेंसी)। यूपी वॉरियर्स ने ग्रेस हैरिस (41 गेंद, 72 रन) और ताहलिया मैकग्रा (38 गेंद, 57 रन) के विस्फोटक अर्द्धशतकों की बदौलत विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में सोमवार को गुजरात जायंट्स को चार विकेट से हराकर प्लेऑफ के लिये क्वालीफाई कर लिया। जायंट्स ने करो या मरो मुकाबले में दयालन हेमलता (57) और एशले गाडर्नर (60) के अर्द्धशतकों की मदद से 178 रन बनाये। वॉरियर्स ने 179 रन का लक्ष्य 19.5 ओवर में हासिल करके जायंट्स को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

जायंट्स को शुरुआती झटके लगने के बाद हेमलता और गाडर्नर ने चौथे विकेट के लिये 108 रन की साझेदारी करके टीम को संकट से निकाला। हेमलता ने 33 गेंद पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 57 रन बनाये, जबकि गाडर्नर ने 39 गेंद पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 60 रन बनाकर जायंट्स को दमदार स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए वॉरियर्स ने भी तीन विकेट जल्दी गंवा दिये लेकिन हैरिस-मैकग्रा की जोड़ी एक बार फिर टीम को बचाने के लिये आगे आयी और चौथे विकेट के लिये 78 रन जोड़े।

वॉरियर्स ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले इन दोनों बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिये, हालांकि उसे आखिरी ओवर में जीत के लिये सात रन की जरूरत थी। सोफी एकलेस्टन (19 नाबाद) ने पहली चार गेंद पर पांच रन लेने के बाद पांचवीं गेंद पर चौका जड़कर वॉरियर्स को यादगार जीत दिलाई। वॉरियर्स ने सात मैच में आठ अंक के साथ डब्ल्यूपीएल तालिका में तीसरे स्थान पर है और उसने प्लेऑफ के लिये क्वालीफाई कर लिया है। जायंट्स ने आठ मैच में सिर्फ दो जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया, जबकि उसकी इस हार के साथ रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (सात मैच, चार अंक) भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है।

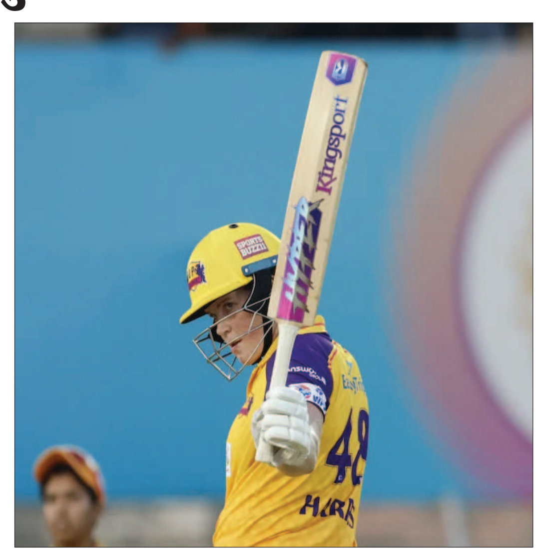

जेहान दारूवाला ने दोनों रेस में पोडियम पर जगह बनाई

जेद्दा। भारत के जेहान दारूवाला ने फार्मूला 2 चैम्पियनशिप के सऊदी अरब राउंड में दोनों रेस में शीर्ष तीन में जगह बनाई। डच टीम एमपी मोटरस्पोर्ट के ड्राइवर जेहान शनिवार को स्प्रिंट रेस में पांचवें से तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इसके बाद उन्होंने फीचर रेस में भी पोडियम पर जगह बनाई। वह दोनों रेस में शीर्ष तीन में रहने वाले अकेले ड्राइवर रहे। अब फार्मूला 2 चैम्पियनशिप 31 मार्च से दो अप्रैल तक आस्ट्रेलिया में होगी जहां मेलबर्न के अलबर्ट पार्क पर पहली बार रेस आयोजित की जा रही है।

तुर्की में ट्रेनिंग लेंगे ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा, खास स्कीम के जरिए मिलेगा प्रशिक्षण

नयी दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा 61 दिनों तक तुर्की के ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में प्रशिक्षण लेंगे जिसके खर्च का वहन टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के जरिये होगा। खेल मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस 25 बरस के इस खिलाड़ी ने पिछले साल भी यहीं अभ्यास किया था। मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, '' युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने 16 मार्च को ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा के ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना, तुर्की में 61 दिनों की अवधि के लिए प्रशिक्षण देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।'' उन्होंने कहा, '' टॉप्स की ओर से जारी राशि में नीरज, उनके कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज और उनके फिजियोथेरेपिस्ट का हवाई किराया, रहने और खाने का खर्च, चिकित्सा बीमा और स्थानीय परिवहन लागत शामिल होगी।'' एमओसी सदस्यों ने बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत और विश्व जूनियर चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता शंकर मुथुसामी और बधिर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता गोल्फ खिलाड़ी दीक्षा डागर को वित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रस्तावों को भी मंजूरी दी। वित्तीय सहायता में गोल्फ के उपकरण की खरीद और दीक्षा के लिए एक व्यक्तिगत कोच, फिटनेस और पोषण प्रशिक्षक की नियुक्ति शामिल है। इसमें स्विस ओपन, स्पेन मास्टर्स और ऑरलियन्स मास्टर्स में राजावत की भागीदारी और ओरलेन पोलिश ओपन और स्लोवेनिया योनेक्स ओपन में शंकर की भागीदारी पर होने वाला खर्च शामिल है।

स्विस ओपन आज से , सिंधु के साथ ही प्रणय से रहेंगी उम्मीदें

बासेल (एजेंसी)। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु मंगलवार से यहां शुरू हो रहे स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ अपनी अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी। वहीं गत वर्ष उपविजेता रहे एच एस प्रणय को भी पुरुष एकल में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। प्रणय यहां पहले दौर में चीन के शि युकी का मुकाबला करेंगे।

प्रणय का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में एकल वर्ग में अच्छा रहा है हालांकि सिंधु और लक्ष्य सेन का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। फिट नहीं होने के कारण लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहने के बाद सिंधु ने अपना कोच भी बदल दिया है। वह पिछले सप्ताह हुए टूर्नामेंट में चीन की झांग यि मान से हारकर पहले दौर में ही बाहर हो गई थी। सिंधु को यहां पहले दौर में स्थानीय खिलाड़ी जेंजिरा स्टाडेलमान से खेलना है। वहीं मलेशिया और इंडिया ओपन में शुरूआती दौर से बाहर हुए लक्ष्य ने गत सप्ताह चोउ तियेन चेन को पराजित किया था पर इसके बाद उन्हें डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। यहां लक्ष्य का सामना हांगकांग के ली चेयुक यू से होगा।

वहीं भारत के ही किदाम्बी श्रीकांत चीन के 23 वर्ष के वेंग होंग यांग के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेंगे। वहीं त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की युगल जोड़ी का मुकाबला पहले दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त अप्रियानी राहायू और सिति फाडिया सिल्वा रामाधंती से होगा। त्रिसा और गायत्री इससे पहले ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन के सेमीफाइनल में पहुंची थीं जबकि पुरुष वर्ग में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना क्वालीफायर मुकाबले की विजेता जोड़ी से होगा।

गुजरात सरकार के साथ एमओयू के पांच चरणों में 79,375 करोड़ के कुल 56 एमओयू हुए

अहमदाबाद । राज्य सरकार मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में आत्मनिर्भर गुजरात के निर्माण से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा अक्टूबर-2022 में घोषित की गयी ध आत्मनिर्भर गुजरात स्कीम्स फॉर असिस्टैंस टु इंडस्ट्रीज़ आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की इस प्रतिबद्धता में महत्वपूर्ण योगदान देती है7 इस योजना के अंतर्गत राज्य में विभिन्न स्थलों पर उद्योग शुरू करने के लिए विभिन्न उद्योगपतियों तथा राज्य सरकार के बीच हर सप्ताह के प्रथम दिवस अर्थात् सोमवार को रूश्व करवाने का नवीन उपक्रम आयोजित किया जाता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के दिशानिर्देशन में इस उपक्रम के पांच चरण पूरे हो चुके हैं और कुल 56 रूश्व पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। इसके परिणामस्वरूप गुजरात में 79,375 करोड़ रुपये का कुल प्रस्तावित निवेश आकर्षित हुआ है। इतना ही नहीं, इन उद्योगों के शुरू होने से आने वाले दिनों में करीब 54,730 लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। 'ध आत्मनिर्भर गुजरात स्कीम्स फॉर असिस्टैंस टु इंडस्ट्रीज को और गति देते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष विभिन्न उद्योगपतियों ने सोमवार, 20 मार्च को मात्र एक ही दिन में 20 रूश्व पर हस्ताक्षर किए। वित्त एवं ऊर्जा मंत्री कनु देसाई एवं उद्योग मंत्री बळवंतसिंह राजपूत की प्रेरक उपस्थिति में हुई इन 20 रूश्व के माध्यम से 11,800 करोड़ रुपए का प्रस्तावित निवेश उत्पन्न होगा तथा लगभग 16,100 संभावित रोजगार सृजित होंगे। इन कई सारी रूश्व के अंतर्गत लिथियम-आयन बैटरी मटेरियल एंड एडवांस फार्मा इंटरमीडीयेट, डेंस सोडा ऐश, फूड प्रोसेसिंग, स्पेश्यालिस्ट केमिकल्स, ॖक्ष्ळ, क्राफ्ट और डुप्लेक्स पेपर-बोर्ड,पर्सनल केयर के लिए स्पेश्यालिस्ट प्रोडक्ट्स आदि क्षेत्रों के उद्योगों में निवेश आएगा। ये उद्योग 2025 तक दहेज, सायखा, झगडिया, सचिन, सरीगाम और अंकलेश्वर के साथ-साथ द्वारका, धोळका और सादरा-कडी में अपनी उत्पादन इकाइयों के माध्यम से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर देंगे। जर्मनी, अमेरिका, ब्रिटेन, कुवैत, मलेशिया समेत अन्य देशों ने भी इस आत्मनिर्भर गुजरात स्कीम्स फॉर असिस्टैंस टु इंडस्ट्रीज़ के तहत राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए रूश्व किए हैं। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कमल दयानी ने राज्य सरकार की ओर से तथा संबंधित उद्योगपतियों ने अपनी इकाइयों की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

8 साल बाद गुजरात सरकार ने न्यूनतम वेतन में की मासिक वृद्धि

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने आज न्यूनतम वेतन में वृद्धि का ऐलान किया है। उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत ने इसकी घोषणा करते हुए बताया कि मासिक वेतन में रु. 2436 की वृद्धि की गई है। महानगर पालिका, नगर पालिका और स्थानीय विकास प्राधिकरण के तहत मासिक वेतन रु. 988 । से बढ़ाकर रु. 12324 किया गया है। अर्ध कुशल श्रमिक का वेतन रु. 9653 से बढ़ाकर रु. 11986 किया गया है। जबकि अकुशल श्रमिक का वेतन रु. 9445 से बढ़ाकर रु. 11752 करने का फैसला किया गया है। गुजरात सरकार ने न्यूनतम वेतन के लिए राज्य को दो जोन में विभाजित किया है। जोन 1 में सभी महानगर पालिका के शहरों को समाहित किया गया है। जबकि जोन 2 में राज्य के अन्य सभी हिस्सों को शामिल किया गया है। इसके अंतर्गत कुशल, सेमीकुशल और अकुशल के मुताबिक कामगारों का वेतन तय किया गया है। इसी प्रकार औद्योगिक जोन के लिए न्यूनतम वेतन तय कर दिया गया है। गुजरात सरकार ने अलग अलग महानगर पालिका की ओर से न्यूनतम वेतन में मांग किए जाने के बाद यह फैसला किया है। गुजरात सरकार ने 8 साल बाद राज्य में न्यूनतम वेतन में वृद्धि की है। इससे पहले कुशल और अकुशल कामगारों के वेतन में वृद्धि का मसौदा तैयार कर लिया गया और आज इसकी अधिकृत घोषणा की गई है। इसके अलावा सफाई कार्य इत्यादि से जुड़े कामगारों के लिए भी अलग न्यूनतम वेतन तय किया गया है। अहमदाबाद, राजकोट समेत राज्य के 8 महानगर पालिका में दैनिक न्यूनतम वेतन सुनिश्चित किया गया है।

ग्रामीण ने नेपाली युवक को चोर समझ पीट पीट कर मार डाला, कूत्तों से बचने घर में घुसा था

अहमदाबाद। जीवणपुरा गांव में लोगों ने एक नेपाली युवक को पीट पीट कर मार डाला और उसका शव सूनसान जगह फैंक दिया। हांलाकि घटना तुरंत पुलिस तक पहुंच गई और कानूनी कार्यवाही शुरू हो गई। पुलिस ने इस मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के चांगोदर के निकट जीवणपुरा गांव में देर रात फूलमान गगन नामक युवक स्थानीय निवासी ईश्वरभाई कोली पटेल के घर के निकट खड़ा था। युवक को देख ईश्वर पटेल समेत अन्य लोगों ने उसे चोर समझ लिया और उसके साथ मारपीट करने लगे। गुस्साए लोगों ने युवक को खंभे से बांध दिया और लाठियां लेकर उस पर टूट पड़े। खंभे से बंधा युवक बुरी तरह चीखता-चिल्लाता रहा, लेकिन उसकी बर्बर पिटाई करने वाले को उस पर तनिक भी रहम नहीं आया। लोगों ने युवक की उस वक्त तक पिटाई की जब तक उसने दम नहीं तोड़ दिया। युवक की मौत के बाद उसका शव सूनसान जगह पर फैंक दिया। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। घटना की खबर मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई और मामले की जांच शुरू कर दी। चांगोदर पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला कि फूलमान गगन नेपाल का मूल निवासी था और कुछ समय पहले चांगोदर में बतौर सिक्युरिटी गार्ड की नौकरी पर लगा था। लेकिन नौकरी अनुकूल नहीं होने पर उसने नौकरी छोड़ दी और इसी प्रकार इधर उधर भटकता रहता था। जीवणपुरा गांव की सीमा पर युवक को देख कूत्ते भौंकने लगे। कूत्ते काट ना लें इस डर से वह जीवणपुरा गांव के एक घर में घुस गया था। लेकिन स्थायी लोगों ने उसे चोर समझ लिया और उसे पीट पीट कर मौत के घाट उतार दिया। चांगोदर पुलिस ने इस मामले में संजय मकवाणा, राहुल राठौड़, मनु कोली पटेल, आकाश ठाकोर, चेतन साधु, ईश्वर कोली पटेल, सुरेश राठौड़, नवघण ठाकोर, रइजी राठौड़ और रइजी मकवाणा समेत 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ अन्य फरार आरोपियों की तलाश शुरू की है। अहमदाबाद जिले में एक सप्ताह के भीतर यह दूसरी घटना है। कुछ दिन पहले ही अहमदाबाद जिले की साणंद तहसील के तेलाव गांव में भी चोरी के संदेह में स्थानीय लोगों ने एक युवक को बांधकर उसकी बुरी तरह से पिटाई की थी।

पावागढ़ में छिला हुआ नारियल ले जाने का नियम बदला

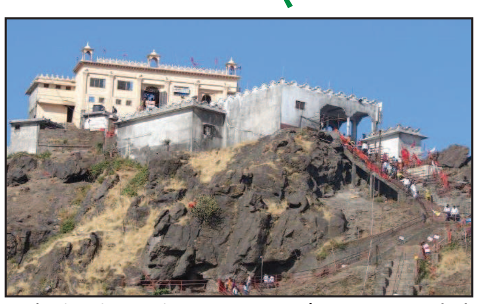

पंचमहल। हालोल के पावागढ़ स्थित महाकाली मंदिर में छिला हुआ नारियल ले जाने का नियम आज से बदल गया है। आज से कोई भी श्रद्धालु छिला हुआ नारियल लेकर मंदिर परिसर में दाखिल नहीं हो पाएगा। मंदिर ट्रस्ट ने स्वच्छता की दृष्टि से यह फैसला किया है। नया नियम लागू होने से मंदिर के आसपास कोई भी व्यापारी छिला हुआ नारियल नहीं बेच पाएंगे। अगर कोई व्यापारी नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दरअसल पावागढ़ स्थित कालिका माताजी मंदिर ट्रस्ट द्वारा 14 मार्च 2023 को एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई थी। जिसके मुताबिक 20 मार्च 2023 से कोई भी व्यक्ति छिला हुआ नारियल लेकर मंदिर परिसर में दाखिल नहीं हो पाएगा। मंदिर में श्रद्धालु को नारियल चढ़ाना होगा और चुनरी के साथ वापस अपने घर ले जाना होगा। घर ले जाकर नारियल चुनरी में बांधकर मंदिर में स्थापित कर उसकी पूजा करने या उसका प्रसाद बांटने को कहा गया था। मंदिर के आसपास अगर किसी व्यापारी के पास छिला हुआ नारियल मिलता है तो उसके खिलाफ पवित्र स्थान में स्वच्छता रखने में सहयोग नहीं देने और गंदगी करने के लिए संबंधित अधिकारी द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। मंदिर ट्रस्ट के सिक्युरिटी गार्ड शक्ति द्वार श्रद्धालुओं की जांच करेंगे और छिला हुए नारियल के साथ उसे प्रवेश नहीं करने देंगे। ऐसे में सिक्युरिटी गार्ड के साथ तकरार करने वाले के खिलाफ पुलिस से शिकायत की जाएगी। मंदिर ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नारियल फोड़ने का एक मशीन रखा गया है। यह मशीन ऑटोमेटिक है इसमें केवल 2 सैकंड में पूरा नारियल छिल जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को भी कोई मुश्किल नहीं होगी। पावागढ़ के महाकाली मंदिर में नया नियम आज से लागू हो गया है।

पश्चिम रेलवे पर क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक सम्पन्न

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 20 मार्च, 2023 को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय की ई-पत्रिका 'ई-राजहंस' के 50वें अंक का विमोचन महाप्रबंधक महोदय के कर-कमलों द्वारा किया गया। साथ ही प्रसिद्ध कवयित्री महादेवी वर्मा जी की जयंती मनाई गई तथा उनके जीवन पर आधारित एक पीपीटी का प्रदर्शन भी किया गया। राजभाषा बैठक की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र ने समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि हर तिमाही के खत्म होने के अगले माह में उस तिमाही की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की जाए। सभी अधिकारी जब निरीक्षण करते हैं, तो अपने निरीक्षण में राजभाषा प्रगति संबंधी पैरा दर्ज करना सुनिश्चित करें। सभी बैठकों के कार्यवृत्त हिंदी में भी तैयार किए जाएं।

आजकल सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में राजभाषा हिंदी में कार्य करना काफी सरल है। इसलिए प्रधान कार्यालय में प्रमुख विभागाध्यक्ष स्वयं एवं मंडल कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक, अपर मंडल रेल प्रबंधक स्वयं भी राजभाषा में कार्य करने हेतु पहल करें और अन्य अधिकारियों को भी प्रेरित करें। स्टेशनों एवं ट्रेनों पर प्रदर्शित होने वाले सभी प्रकार के बोर्ड द्विभाषी, त्रिभाषी नियमानुसार प्रदर्शित किए जाएं। सभी अधिकारी अपने नाम पट्ट, विजिटिंग कार्ड आदि द्विभाषी में प्रदर्शित करें। इस बैठक के प्रारंभ में पश्चिम रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी डॉ. छत्र सिंह आनंद द्वारा समिति के अध्यक्ष एवं पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक, सभी विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्षों, सभी मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधकों, सभी कारखानों के मुख्य कारखाना प्रबंधकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि संसदीय राजभाषा समिति तथा रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार तीन महीनों के पश्चात तिमाही बैठक का आयोजन होना आवश्यक है। इस बैठक में सभी सदस्यों के समक्ष राजभाषा प्रगति संबंधी जो आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं, उनकी प्रामाणिकता भी आवश्यक है। इस अवसर पर अधिकारियों के लिए एक राजभाषा प्रश्न-मंच का भी आयोजन किया गया, जिसमें सही उत्तर देने वाले अधिकारियों को महाप्रबंधक महोदय के कर-कमलों से नकद पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। पश्चिम रेलवे में अक्टूबर से दिसम्बर-2022 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन में हुई प्रगति संबंधी आंकड़े समिति के सदस्य सचिव सुरेश चंद्र द्वारा प्रस्तुत किए गए। पश्चिम रेलवे क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की इस बैठक में पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक प्रकाश बुटानी, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक शलभ गोयल, प्रमुख वित्त सलाहकार श्रीमती उमा रानडे, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर हरीश गुप्ता, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी सुरेन्द्र कुमार, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक जगमोहन गर्ग, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक चितरंजन स्वैन, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त पी.सी. सिन्हा, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर सहित सभी छह मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक और छह कारखानों के मुख्य कारखाना प्रबंधक आदि उपस्थित थे।

दुष्कर्म केस के आरोपी के तीन बार नपुसंक साबित होने पर गुजरात हाईकोर्ट ने दी जमानत

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने दुष्कर्म केस के आरोपी 55 वर्षीय फ्रीलांस फोटोग्राफर की जमानत मंजूर कर ली। आरोपी के तीन पोटेन्सी टेस्ट किया गया था और तीनों में उसके नपुसंक होने का खुलासा होने पर हाईकोर्ट ने यह फैसला किया। दरअसल 2। वर्षीय एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने 23 दिसंबर 2022 को फ्रीलांस फोटोग्राफर गिरफ्तार कर लिया था। महिला का आरोप था कि फोटोग्राफर ने मोडलिंग की लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। महिला ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म के अलावा धमकी देने का भी केस दर्ज करवाया था। दुष्कर्म के केस में गिरफ्तार आरोपी ने गुजरात हाईकोर्ट में स्थायी जमानत की याचिका दाखिल की थी। फ्रीलांस फोटोग्राफर के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि एक नपुसंक व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज करवाई गई है। हाईकोर्ट में मेडिकल रिपोर्ट भी पेश की गई थी, जिसमें बताया गया कि दुष्कर्म का केस दर्ज होने के बाद महिला की मेडिकल जांच करवाई गई थी। आरोपी की जांच के लिए उसका वीर्य एकत्र करने का प्रयास किया गया। ऐसा एक बार नहीं बल्कि तीन-तीन बार किया गया। लेकिन तीनों प्रयास निष्फल साबित हुए। मेडिकल रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि आरोपी का ना तो उत्थान हुआ और ना ही स्खलन हुआ। फोटोग्राफर का बचाव करते हुए वकील ने कहा कि मोडल उससे रुपयों की मांग कर रही थी। लेकिन जब फोटोग्राफर ने उसकी रुपयों की मांग पूरी नहीं की तो उसने दुष्कर्म का केस दर्ज करवा दिया। वकील की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट के न्यायधीश समीर दवे ने आरोपी की जमानत मंजूर कर ली।

आईआईएफएल जीतो अहिंसा दौड 23 देशों में

भारत के सबसे बड़े फाईनेंशल सर्विसेज़ समूहों में से एक आईआईएफएल ग्रुप का उद्देश्य 2 अप्रैल, 2023 को भारत के 65 शहरों और 23 देशों में हो रही आईआईएफएल जीतो अहिंसा दौड़ में गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम अंकित कराना है। शांति और अहिंसा के लिए होने वाली यह इस तरह की सबसे बड़ी दौड़ है। इस दौड़ का आयोजन जीतो (जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाईज़ेशन) की महिला विंग और आईआईएफएल के अलावा जीतो के स्वयंसेवियों एवं पूरे विश्व में शांति और अहिंसा के समर्थकों द्वारा किया जा रहा है।

आईआईएफएल जीतो अहिंसा दौड़ में भाग लेने के लिए पंजीकरण https://ahimsarun.com/ पर कराया जा सकता है। पंजीकरण का लिंक 17 मार्च, 2023 को खुलेगा। आप किस देश और किस शहर में हो रही दौड़ में हिस्सा लेना चाहते हैं, यह विकल्प चुनने का अवसर भी आपको मिलेगा। आईआईएफएल जीतो अहिंसा दौड़ का उद्देश्य लड़ाई रोकने और एक बेहतर दुनिया बनाने की जागरुकता बढ़ाना तथा हमारे चारों ओर नफरत को हराकर शांति और अहिंसा स्थापित करना है।

'अहिंसा' का मतलब है क्षमा, सकारात्मकता, वैश्विक प्रेम, शक्ति और भाईचारा। अहिंसा शक्ति है और आज के मुश्किल दौर में हम सभी को एक साथ आकर अपनी इस शक्ति का प्रदर्शन करने की जरूरत है। आईआईएफएल जीतो अहिंसा दौड़ के लिए महावीर जयंती से ठीक पहले के समय से अच्छा वक्त और कोई नहीं हो सकता। इस दिन हम सभी क्षमा के देवता, भगवान महावीर को अपनी श्रद्धांजलि देते हैं। इस दौड़ में हर लिंग, जाति और आयु समूह के लोग हिस्सा ले सकते हैं। इस दौड़ का विचार सामूहिक शक्ति और समावेशन है।

इस दौड़ का समर्थन भारत में कई सार्वजनिक हस्तियों ने किया है, और इसका उद्देश्य युवाओं को छोटी उम्र से ही शांति और अहिंसा की ओर प्रोत्साहित करना है, ताकि एक ऐसे भविष्य का निर्माण हो, जिसमें युद्ध और हिंसा के लिए कोई जगह न हो।

आईआईएफएल जीतो अहिंसा दौड़ आईआईएफएल समूह के सिद्धांतों - 'निष्पक्षता, अखंडता और पारदर्शिता एवं सीधी बात' के अनुरूप है। आईआईएफएल समूह भारत में वित्तीय समावेशन लाने में अग्रिम भूमिका निभा रहा है, और बैंकिंग सुविधाओं की कमी या बैंकिंग सुविधाओं से वंचित 8 मिलियन से ज्यादा लोगों को ऋण दे रहा है, ताकि भारत में छोटे उद्यमियों के सपनों को पूरा किया जा सके। आईआईएफएल फाउंडेशन बड़े स्तर पर लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य गरीबी उत्थान, और आजीविका के लिए काम कर रहा है, और 36,000 से ज्यादा लड़कियों को स्कूलों में ला चुका है।

सूरत भूमि, सूरत। श्री सूरत पांजरापोल घोड़दोद रोड शाखा स्थान जहां दर्शन चौमुखजी को एक वर्ष पूर्व प्रतिष्ठित किया गया था आज उसके ठीक बगल में दर्शन-ज्ञान-चरित्र के उपकरण दर्शन के लिए रखे गए जैन धर्म में देरासर, साधु-साध्वीजी के लिए भगवान की पूजा और विद्या के लिए प्रयोग होने वाले उपकरणों को दर्शन के लिए रखा जाता है। यह कार्य श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ भगवान की 252वीं जयंती, आचार्य भगवंत श्री ओंकारसूरीश्वरजी महाराज साहिब की जन्म शताब्दी और युगप्रधान आचार्य श्री चंद्रशेखर विजय महाराज साहिब की 12वीं वार्षिक पुण्यतिथि के अवसर पर किया गया।

जिसमें आचार्य श्रीजिनसुन्दर सूरीश्वरजी महाराज साहब का निश्रा में स्वागत हुआ। आज के शुभ दिन पर दर्शन-ज्ञान-चरित्र के उपकरण दर्शन के लिए खोल दिए गए। कार्य के मुख्य लाभार्थी श्री मानेकलाल नानचंद परिवार हैं। साथ ही पूरा कार्यक्रम श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा की गई थी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)